

► ब्रेविजट के बाद ब्रिटेन का यह सबसे बड़ा व्यापार समझौता

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

99% भारतीय सामान यूके में टैक्स फ्री

प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की मौजूदगी में एग्रीमेंट साइन हुए, इसे लेकर दोनों देशों के बीच 3 साल से चल रही थी बातचीत

● लंदन

भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) हो गया है। पीएम मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मौजूदगी में गुरुवार को लंदन में एग्रीमेंट पर दस्तखत हुए। इसे लेकर दोनों देशों के बीच 3 साल से बातचीत चल रही थी। समझौते के बाद नेताओं ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान पीएम मोदी ने समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए खुशी जताई। इस दौरान उन्होंने भारत- इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का भी जिक्र किया। मोदी ने कहा कि यूके में रहने वाले भारतीय मूल के लोग हमारे संबंधों में एक लिविंग ब्रिज का काम करते हैं। मोदी ने स्टार्मर को भारत आने का न्योता दिया। यूरोपियन यूनियन से अलग होने (ब्रेविजट) के बाद ब्रिटेन का यह सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच ट्रेड में 34 बिलियन डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है। इससे पहले ब्रिटेन का सबसे बड़ा समझौता ऑस्ट्रेलिया के साथ 2020 में हुआ था, जिसके तहत दोनों देशों के बीच व्यापार में 3.1 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो सकती है।

भारत के किन-किन सेक्टरों को होगा फायदा

टेक्सटाइल से लेकर इंजीनियरिंग, मेडिकल और केमिकल जैसे सेक्टरों को फायदा होगा। यूके में भारतीय कपड़ों और होम टेक्सटाइल्स जैसे वाटर, परदे पर 8-12 प्रतिशत टैक्स लगता था, वो अब पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इससे हमारे कपड़े बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले सस्ते और ज्यादा कॉम्पिटिव हो जाएंगे। भारत से यूके जाने वाली ज्वेलरी और चमड़े के सामान जैसे बैग, जूतों पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। यूके ने भारतीय मशीनरी, इंजीनियरिंग टूल्स और ऑटो पार्ट्स जैसे कार के पुर्जे पर लगने वाला इम्पोर्ट टैक्स खत्म कर दिया है। इससे भारत, यूके और यूरोप की इंवरिस्टपल सप्लायर वैन और मजबूत होगी। पुणे, चेन्नई और गुडगांव जैसे मैनुफैक्चरिंग हब को फायदा होगा।

यूके की हिस्की- कारें भारत में होंगी सस्ती

इस डील से आयात होने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत होगा। 85 प्रतिशत सामान 10 साल में पूरी तरह टैरिफ-मुक्त होंगे। यूके से आयात होने वाली स्कोर्व हिस्की और जिन पर भारत का टैरिफ 150 प्रतिशत से घटकर 75 प्रतिशत हो जाएगा। बाद में समझौते के दसवें साल तक इसे घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। उदाहरण- 5000 रुपए की स्कोर्व बोटल 3500 रुपए में मिलेगी। यूके की कारों (जैसे जगुआर लैंड रोवर, रोल्ल्स-रॉयस) पर टैरिफ 100 प्रतिशत से कोटा सिस्टम के तहत 10 प्रतिशत तक आ जाएगा। इससे ये कारें 20-30 प्रतिशत सस्ती हो सकती हैं। सैल्मन, लैंब, चॉकलेट, बिरिस्ट और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर टैरिफ कम होगा। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे। कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और एयरोस्पेस पार्ट्स पर कम टैरिफ से ये सामान सस्ते होंगे। टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत पर आ जाएगा। इसके अलावा ब्रिटेन से आने वाले ब्रांडेड कपड़े, फैशन प्रोडक्ट्स और होमवेयर भी सस्ते होंगे।

ट्रम्प बोले, अमेरिकी कंपनियां भारतीयों की भर्ती को रोकें

अमेरिका की सबसे बड़ी टेक कंपनियां हमारी आजादी का लाभ उठाती हैं

● वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका की गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों को भारत में हायरिंग रोकने को कहा है।

ट्रम्प ने वाशिंगटन डीसी में आयोजित एआई समिट में कहा अमेरिका की सबसे बड़ी टेक कंपनियां हमारी आजादी का लाभ उठाती हैं, लेकिन फैक्ट्रियां चीन में लगाती हैं और भारत से लोग भर्ती करती हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां अमेरिकी वर्कर्स को

प्राथमिकता दें, यही देश हित में है। ट्रम्प ने टेक कंपनियों के र लो ब रिल स्ट माइंडसेट की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकियों को सबसे पहले नौकरी मिलनी चाहिए। ट्रम्प के मुताबिक विदेशों में फैक्ट्री और कर्मचारियों पर पैसा लगाकर कंपनियां अमेरिकी टैलेंट के हक को मार रही हैं। भारत का आईटी सेक्टर इस बयान से प्रभावित हो सकता है। भारत में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अन्य टेक कंपनियों के लाखों कर्मचारी हैं।

ट्रम्प पहले भी दे चुके भारत विरोधी बयान

इससे पहले मई में ट्रम्प ने भारत में आईफोन बनाने को लेकर एपल को धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका में बचे जाने वाले आईफोन का निर्माण भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पहले सीधे तौर पर एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प की इस धमकी के बाद एपल का शेयर 4 प्रतिशत गिरकर 193 डॉलर पर आ गया।

मंदिर में इस्लाम का प्रचार क्राइम नहीं

● हैंगलुरु

कर्नाटक हाईकोर्ट ने वैसे तीन मुस्लिम व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है, जिन पर एक हिंदू मंदिर में इस्लाम की शिक्षा को बढ़ावा देने वाले पर्चे बांटने और मौखिक रूप से अपनी धार्मिक मान्यताओं को समझाने का आरोप लगाया गया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि किसी मंदिर में सिर्फ इस्लाम का प्रचार करने वाला पर्चा बांटने और उसके बारे में व्याख्या करने से कोई अपराध नहीं हो जाता, जब तक कि धर्मांतरण से जुड़ा कोई साक्ष्य न मिलता हो। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 299, 351(2) और 3(5) और कर्नाटक धर्म स्वतंत्रता अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2022 की धारा 5 के तहत आरोप लगाए गए थे। जस्टिस वेंकटेश नाइक टी की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आरोपियों ने उपरोक्त कानूनों के तहत कोई अपराध नहीं किया है।

धर्मांतरण के साक्ष्य नहीं

याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा किसी व्यक्ति को एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तित करने का प्रयास करने के आरोप केपीआरएफआर अधिनियम की धारा 5 के तहत दंडनीय अपराध के आवश्यक तत्वों को पूरा नहीं करते हैं क्योंकि ऐसे कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं, जिससे साबित हो कि वे सभी धर्मांतरण कराने की कोशिश कर रहे थे।

अनिल अंबानी की 50 कंपनियों के 35 टिकानों पर ईडी की रेड

3000 करोड़ रुपए के लोन फ्रॉड के मामले में हुई कार्रवाई कंपनी पर यस बैंक से लिए पैसों के गलत इस्तेमाल का आरोप

● मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा टिकानों पर छापेमारी की। इसमें करीब 50 कंपनियां शामिल हैं। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में गुरुवार, 24 जुलाई को की गई ये रेड दिल्ली और मुंबई में चल रही है। ये छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये कार्रवाई सीबीआई की ओर से दर्ज दो एफआईआर और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोटिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई है। यह मामला 2017 से 2019 के बीच यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपए के लोन से जुड़ा है। ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि इन लोन्स को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों और ग़रुप की अन्य इकाइयों में डायवर्ट किया गया।

इस मामले में सीबीआई की क्या भूमिका

सीबीआई ने दो मामलों में एफआईआर दर्ज की थी। ये मामले यस बैंक द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कॉर्पोरेशन फाइनेंस लिमिटेड को दिए गए दो बड़ोंदा और नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोटिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) जैसी एजेंसियों और संस्थाओं ने भी ईडी के साथ जानकारी साझा की। अब ईडी इस मामले की जांच कर रही है।

3 दिन पहले सभी 12 आरोपी बरी हुए

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट: एससी की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

सुप्रीम कोर्ट बोला- सभी आरोपी जेल से बाहर हैं, दोबारा जेल भेजना जरूरी नहीं

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बाँम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था।

महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बाँम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है।

11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फस्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र राज्य की ओर से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता पेश हुए। तुषार मेहता ने कहा, फैसले के बाद जेल से रिहा हुए आरोपियों को सरेंजर करने का निर्देश देने का अनुरोध नहीं कर रहे हैं।

फैसले के दिन 2 आरोपी जेल से रिहा हुए थे

बाँम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद 21 जुलाई की शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया था। पहले आरोपी एहतेशाम सिद्दीकी को 2015 में निवृत्ती अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, दूसरा आरोपी मोहम्मद अली उम्रकैद की सजा काट रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि 12 लोगों में शामिल नवीद खान अभी नामपुर जेल में ही रहेगा, क्योंकि वह हत्या के प्रयास के एक मामले में विवाराधीन कैदी है।

दूसरी बार क्रिकेटर यश दयाल पर रेप केस दर्ज

जयपुर, आरएनएन। जयपुर में रहने वाली लड़की ने जयपुर के सांगानेर सदर थाने में केस दर्ज कराया है कि यश ने क्रिकेट में करियर बनाने का झंसा देकर और इमोशनल ब्लैकमेल करके दो साल तक रेप किया। इससे पहले 8 जुलाई को यूपी के गाजियाबाद की एक लड़की ने भी यश पर शारी का झंसा देकर रेप करने का आरोप लगाया था। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से यश को गिरफ्तारी से राहत मिली थी। एसएचओ अनिल जैन ने बताया कि जयपुर की लड़की क्रिकेट खेलने के दौरान यश दयाल के संपर्क में आई थी।

बड़ा फैसला

53 साल का रेप का दोषी 37 साल बाद नाबालिग करार

● नई दिल्ली

राजस्थान के अजमेर में 37 साल पहले 11 साल की बच्ची से रेप के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। अदालत ने माना कि वारदात के वक्त दोषी नाबालिग था। वहीं सजा के लिए मामले को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड भेज दिया। बता दें कि दोषी अब 53 साल का हो चुका है। उसे अब जेजेबी के सामने पेश होना होगा। जेजेबी दोषी को अधिकतम तीन साल के लिए स्पेंशल होम भेज सकता है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने यह फैसला दिया है। राजस्थान के अजमेर जिले में 11 साल की बच्ची के साथ रेप के 37 साल बाद, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आरोपी की दोषसिद्धि बरकरार तो रखी लेकिन उसे नाबालिग घोषित कर दिया। बेंच ने 53 साल के हो चुके दोषी को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश होने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, किशोर न्याय (बालकों की देखभाल

बता दें कि साल 1993 में किशनगढ़ के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को धारा 376 के तहत बलात्कार का दोषी ठहराया था और 5 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

वह पहले ही डेढ़ साल की सजा काट चुका है। दोषी निचली अदालत के आदेश को राजस्थान हाईकोर्ट ने जुलाई 2024 में बरकरार रखा था। इससे पहले दोषी ने नाबालिग होने का मुद्दा नहीं उठाया था, लेकिन उसने जिक्र पहली बार सुप्रीम कोर्ट में किया, जब उसने दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ अपील दायर की।

एवं संरक्षण) अधिनियम, 2000 में निहित प्रावधान लागू होंगे परिणामस्वरूप, निचली अदालत द्वारा दी गई और हाईकोर्ट द्वारा बरकरार रखी गई सजा को रद्द करना होगा क्योंकि यह काम नहीं रह सकती। 2000 अधिनियम की धारा 15 और 16 के अलागे में उचित आदेश पारित करने के लिए मामला बोर्ड को भेजा जाता है। अपीलकर्ता को 15 सितंबर को बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।

अपराध के समय दोषी की उम्र 16 साल थी

उसकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अजमेर के किशनगढ़ में अधिकार क्षेत्र वाले जिला और सत्र न्यायाधीश को उसके इस दावे की जांच करने का निर्देश दिया था। जज ने जांच और दस्तावेजी साक्ष्यों पर गौर किया और कहा कि अपराध के समय वह नाबालिग था। अपराध के समय यानी 17 नवंबर, 1988 को उसकी उम्र 16 वर्ष 2 महीने और 3 दिन थी। उसकी जन्मतिथि 14 सितंबर, 1972 बताई गई।

नाबालिग होने का दावा करने का अधिकार

सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ये रिपोर्ट मंजूर करते हुए पांच साल की सजा रद्द कर दी। अदालत ने कहा कि नाबालिग होने का दावा किसी भी स्तर पर उठाया जा सकता है। पीठ ने राज्य सरकार की इस दलील को खारिज कर दिया कि दोषी को सुप्रीम कोर्ट में नाबालिग होने का दावा करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

रूसी प्लेन क्रैश, सभी 49 लोगों की हुई मौत

चीन सीमा के पास हादसा

● मारको

रूस का एक यात्री विमान चीन की सीमा के पास क्रैश हो गया है। हादसे में विमान में सवार 49 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। यात्रियों में 5 बच्चे भी शामिल थे बचावकर्मियों को टिंडा से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर रूसी यात्री विमान का मलबा मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक ये विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में उड़ रहा था। अमूर के गवर्नर वासिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर बताया कि लापता विमान अंगारा एयरलाइंस का है। लोकल इम्परजेंसी मिनिस्ट्री ने बताया कि विमान खारोवोवस्क, ब्लागोचेरेंचेंस्क होते हुए टिंडा जा रहा था। यह चीन की सीमा के पास है।

कुछ घंटे पहले कंट्रोल रूम से संपर्क टूटा था

संक्षिप्त समाचार

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य पुरस्कार शिविर आयोजित



उजाला संचार, मिर्जापुर। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय मीरजापुर में दिनांक 24 जुलाई 2025 से 28 जुलाई 2025 तक भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य पुरस्कार शिविर (गाइड) 2025 आयोजित किया जा रहा है। जिसमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी संभाग के 18 विद्यालयों की लगभग 104 गाइड्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ अजय सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। केन्द्रीय विद्यालय संगठन संभाग भोपाल से आई हुई शिविर नायक श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव एवं विभिन्न केन्द्रीय विद्यालय से आए हुए परीक्षण दल द्वारा गाइड्स का प्रवेश से लेकर राज्य पुरस्कार तक का परीक्षण किया जाएगा।

इलाज के दौरान हुई युवक की मौत



उजाला संचार, कासिमाबाद से धर्मेन्द्र कुमार की रिपोर्ट, सिंगेरा। स्थानीय न्याय पंचायत अंतर्गत सिंगेरा गांव निवासी एक युवक की इलाज के दौरान हुई मौत परिवार में छाया मातम। मिली जानकारी के अनुसार सिंगेरा गांव निवासी रामभरत यादव उम्र 55 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामधनी यादव एक सप्ताह पूर्व दातुन तोड़ते समय पेड़ का डाल अचानक टूट जाने पर सिर पर गंभीर रूप से चोट लग जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से मरदह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां पर गंभीर स्थिति होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं स्थिति गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय के डॉक्टर के द्वारा गैर जनपद के लिए रेफर कर दिया गया। पीजीआई चक्रपानपुर में भर्ती कराए थे। आज इलाज के दौरान रामभरत यादव की मौत हो गई। आज पैतृक गांव पर शव आने के बाद परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के तीन पुत्र और एक पुत्री है तीनों पुत्र अविवाहित है पुत्री की शादी हो चुकी है। मृतक की पत्नी किरण यादव का रो-रो कर बुरा हाल है।

अवैध तमंचा और कारतूस सहित हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

उजाला संचार, मिर्जापुर। कटरा कोतवाली पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को अवैध हथियार समेत किया गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर सर्वजीत उर्फ मन्नी सरदार पर दर्ज है 30 से अधिक मुकदमे, पुलिस सरगमी से कर रही थी तलाश पुलिस ने किया गिरफ्तार कटरा थाना क्षेत्र का मामला।



48 घंटे बाद भी नहीं मिला कनहर नदी में डूबा संतोष चेतो एसडीआरएफ की टीम भी नहीं खोज सकी डूबे हुए व्यक्ति को

उजाला संचार (दुद्धी सोनभद्र) कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पिपरडीह शाहपुर गांव में सोमवार की शाम 5:00 बजे अपने पुत्र स्वजनों के साथ नहाने गया संतोष कुमार पुत्र सुरेश प्रसाद निवासी पिपरडीह कनहर में तेज बहाव के कारण डूब गया था, जिसकी खोज ग्रामीण सहित स्थानीय पुलिस प्रशासन कर रही थी, जिसे खोजने के लिए आज बुधवार को दोपहर 12:00 एसडीआर एफ की टीम कनहर नदी में डूबे हुए स्थान पर खोजने के लिए घंटों मशक्कत की स्थानीय ग्रामीण परिजन सहित पूर्व विधायक हरिराम चेतो भी अपने सहयोगियों के साथ दोपहर 12:00 बजे से शाम 6:00



बजे तक डूबे हुए संतोष की काफी खोजबीन किया, फिर भी कुछ पता नहीं चल सका, अब तक 48 घंटे से ऊपर का समय बीतने जा रहा है।और पीड़ित के परिजन व छोटे-छोटे बच्चे टक टकी निगाहें नदी किनारे बने बैठे हुए हैं कि उनके पिता कब पानी से बाहर निकलेंगे,

पूर्वांचल अभियोजन कार्यो एवं जिला स्तरीय नारकोटिक्स की बैठक कर की गई समीक्षा

उजाला संचार मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा द्वारा पुलिस लाइन सभागार में अभियोजन कार्यो एवं जिला स्तरीय नारकोटिक्स की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी शासकीय अधिकारकाओं व अन्य सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर माहवार प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने गैग्रेस्टर मामले, पाक्सो, विद्युत अधिनियम एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम में शासकीय अधिकारकाण को निर्देशित करते हुये कहा कि पाक्सो, महिला अपराध तथा गैग्रेस्टर आदि मामलों में पैरवी करते हुये तारीख लगवाई जाए तथा अधिक से अधिक लोगों को सजा दिलाई जाए। गवाहों की उपस्थिति मामलों में जिलाधिकारी ने कहा कि किस मुकद



में किस थाना से किस गवाहों को आना है उसकी सूची सभी उर्ध्व बार-बार न आना पड़े। जिला स्तरीय नारकोटिक्स की जिलाधिकारी नेविदुवार विस्तृत समीक्षा करते हुए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने आबकारी एवं औषधि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सम्बन्धित तहसीलों के उप जिलाधिकारी के अधिवकागण के द्वारा थानेवार सूची उपलब्ध करा दी जाए ताकि पुलिस अधीक्षक के माध्यम से थानो से उन्हें बुलाया जा सके। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जब गवाह हाजिर हो तो उनसे गवाही अवश्य ली जाए ताकि

चोपन रेलवे ब्रिज के नीचे मिली लाश की सीआईडी जांच कराने की मांग

उजाला संचार सोनभद्र। ग्राम पंचायत जुगैल के बड़का डाड़ के 18 आदिवासियों के जमीन संबंधित विवाद के संबंध में जिलाधिकारी सोनभद्र से एवं इसी पंचायत के टोला पुरान डीह के देवनाथ खरवार के पुत्र लल्लू राम की दिनांक 1 जनवरी 2025 को चोपन रेलवे ब्रिज के नीचे मिली लाश की अपराधी जांच विभाग सीआईडी द्वारा कराए जाने के संबंध में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र से मिलकर राष्ट्रीय मजदूर कग्रिस इंटक सोनभद्र ने पत्र दिया। जिला इंटक सोनभद्र के अध्यक्ष हर-देवनाथयण तिवारी ने कहा की ग्राम पंचायत जुगैल के गाटा संख्या 14132 घघवा ,कोटी पियार के जमीन को विगत 25- 30 वर्ष से राम प्रसाद एवं अन्य 17 आदिवासी जोत कोड कर रहे थे उस जमीन को वर्ष 2007 -08 में उस समय के पूर्व



सदस्य बनाअधिकार समिति के अमृतलाल बैगा द्वारा अपने एवं अपने बैगा द्वारा गांव में कई जगह पर अपने एवं अपने परिजनों के नाम से जमीन

परिजनों के नाम से पट्टा करा लिया गया है इस जमीन पर निरविवाद रूप से वर्ष 2023 तक इन्हीं आदिवासियों द्वारा जोत कोड होता रहा 2024 में अमृतलाल बैगा एवं अपने परिजनों को लेकर उस जमीन पर धावा बोले जिसके कारण बहुत बड़ा विवाद खड़ा हो गया है इतना ही नहीं अमृतलाल पट्टा कराया इसके लिए एक उच्च स्तरीय मजिस्ट्रेट लेवल की जांच के लिए जिलाधिकारी महोदय के पत्र देकर के अनुरोध किया गया है की यथाशीघ्रस की जांच की जाए और असली जोत कोड करने वाले के नाम उस जमीन का पट्टा किया जाए नहीं तो स्थिति बड़ी तनावपूर्ण होती जा रही है।

आजाद तिलक जयंती पर वृक्षारोपण व कवि गोष्ठी का आयोजन

उजाला संचार सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में आजाद तिलक जयंती के उपलक्ष्य में शहीद स्मारक पर बुधवार को दिन में सदर विधायक भूपेश चौबे वरिष्ठ साहित्य कार अजय शेखर वरिष्ठ कथाकार रामनाथ शिवेन्द्र हाजी फरीद अहमद शहर काग्रिस अध्यक्ष ओज कवि प्रभात सिंह चंदेल प्रधान संगीता तिवारी द्वारा वृक्षारोपण व शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण तिरंगा झंडा रोहन राष्ट्र गान के आयोजन पश्चात विचार गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता करते हुये वरिष्ठ साहित्य कार चिंतक अजय शेखर ने तिलक को तत्वदर्शी साधक व आजादी में अहं भूमिका व्यक्तित्व कृतित्व का विशद निरूपण किया साथ ही आजाद के बलिदान को नतमस्तक हो नमन किया। विशिष्ट



अतिथि कथाकार रामनाथ शिवेन्द्र ने स्वतंत्रता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा, तिलक व जीते जी मुझे दुश्मन मुझे छू नहीं सकता, आजाद के वक्तव्य को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि विधायक भूपेश चौबे ने अपने वक्तव्य में वीर शहीदों के त्याग बलिदान की चर्चा किये। ओज कवि प्रभात सिंह चंदेल ने, आजाद तिलक के बेटे हम बलिदान हमारी थाती है, वीरों की परिपाटी है सुनाकर मन मोह लिया। शहर काग्रिस अध्यक्ष हाजी फरीद लगाये। कौशलया कुमार चौहान ने, उठो देश के नौजवानों पिचला दो चट्टान को, धर्मेश चौहान ने जान से बढ़कर प्यारा मुझको अपना भारत जताते हुये सभी अतिथियों कवियों को अंग वस्त्र लेखनी पुस्तिका देकर अभिनंदन किया। प्रधान संगीता तिवारी ने व्यक्त किया। शाम को बार

बिजली विभाग का भी हाल हुआ है खस्ता

उजाला संचार मुकेश कुमार श्रीवास्तव/ संतोष कुमार। नगर नगरपालिका में आए दिन इस भीसड़ गर्मी से लोग बिजली की कटीती से परेशान हो रहे है इस समस्या से लोगों के आग्रह पर हमारी निष्पक्ष बनारस केशरी की टीम स्थानीय बिजली विभाग के उच्च अधिकारी सब डिवीजन अधिकारी अशोक कुमार भारती से मुलाकात की जो संतुष्टि जनक जवाब नही दिया उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि इसकी पूर्ण जिम्मेदारी यहां तैनात जेई तारकेश्वर यादव की है मेरे पास पांच छह सब स्टेशन की जिम्मेदारी में है वहा तैनात कर्मचारी २२इं से पूछा गया तो बताए कि जब बारिश होगी तब बिजली सही तरीके से बिजली का संचालन होगा जनता जानना चाहती है की उत्तर



प्रदेश के सबसे बड़े विभाग जिसपर उद्योग से लेकर लगभग 95% कार्य बिजली पर ही निर्भर हैं। तदोपरान्त जनता काफ़ी परेशान है बिल बकाया

को लेकर उपभोक्ताओं से बिल जमा करने का प्रेशर अलग अलग तरीके से कर रहे है परंतु बिजली का संचालन को भिन्न भिन्न तरीके सुदृढ़ नही हो सकता जनता बिल का भुगतान करने के लिए मजबूर है पर बिजली की कटीती के बारे में आप जानकारी नहीं देते है।

जालसाजी के आरोप में दो गिरफ्तार

उजाला संचार मुकेश कुमार श्रीवास्तव/ संतोष कुमार, गाजीपुर। मऊ में प्रशासन के तरफ से चलाए जा रहे अपराध और अपराधियों कि चेकिंग अभियान के दौरान मुतुल फाईनेश बैंक के संचालक कादीर खान के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया गया कि कुछ लोग नकली गोल्ड,लोन लेने कि प्रक्रिया फजीवाड़ा फल फूल रहा है इस कि सूचना मिलते ही प्रशासन के लोगो में हलचल हुई और पुलिस प्रशासन तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंचते ही इस जाल साज के दौरान दो अभियुक्त पकड़े गए। इन दोनों का घर गाजीपुर विधानसभा मुहम्मदाबाद में कृष्ण कुमार मिश्रा पुत्र बिरेंद्र मिश्रा ग्राम, पोस्ट, मुबारकपुर मुहम्मदाबाद गाजीपुर और दूसरे का राहुल यादव पुत्र देवेन्द्र सिंह यादव ग्राम जोगा



मुसाहिब मुहम्मदाबाद गाजीपुर के दोनों अभियुक्तो ने बयान दिया है कि 280,000 मऊ के ब्रांच से आवेदन किए थे लेकिन अभी लोन पास नहीं हुआ है और वाराणसी में पहडीया

सांखा से 555350 रुपए वहां से फि लोगों ने फर्जी डाकोमेंट और फर्जी गोल्ड देकर लोन ले चुकें हैं। पुलिस प्रशासन ने इन के उपर दबाव बनाकर पुछ ताछ कर रही है और अभी पुलिस प्रशासन के तरफ से विवेचना कर रही है तबतक पुलिस प्रशासन अपने कस्टडी में रखी है।

पंखे के सहारे सदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटकता मिला नवयुवक का सव

उजाला संचार कासिमाबाद से धर्मेन्द्र कि रिपोर्ट, मरदह। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत मुस्तफाबाद गांव में पंखे के सहारे सदिग्ध परिस्थिती में फंदे से लटकता मिला नवयुवक का शव। मिली जानकारी के अनुसार मृतक अंकित शर्मा उम्र 19 वर्ष पुत्र कृष्णकांत शर्मा निवासी मुस्तफाबाद रोज की भांति बिती रात खाना खाकर दुसरे कमरे में सोने चला गया। सुबह मृतक का पिता कृष्णकांत शर्मा को जगाने के लिए छत पर कमरे में जाकर देखा तो अंकित शर्मा पंखे में बेडशीट के फंदे के सहारे लटक रहा है। पिता के द्वारा शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और फंदे को काटकर शव को नीचे उतारा।वही परिवार के लोगों के दहाड़ मारकर



रोने की आवाज सुनकर अगल-बगल के लोग इकट्ठा हो गए।

इंटरमीडिएट की परीक्षा पास किया था। मृतक की माता सरिता देवी का रो-रोकर बुरा हाल। मृतक की माता रो-रो कर बार-बार बेहोश हो जा रही थी। पूरे गांव में मातम छाया हुआ है मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। मृतक के पिता कृष्णकांत शर्मा द्वारा पुलिस को लिखित पोस्टमार्टम के लिए तहरीर दी गई है। वही

पुलिस अभिरक्षा से फरार 50 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में दबोचा गया

उजाला संचार गाजीपुर। जिले की जंगीपुर पुलिस को देर रात बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस अभिरक्षा से फरार 50 हजार रुपये का इनामी कुख्यात अपराधी शिवम चौहान उर्फ परमहंस को उसके सहयोगी सत्यम चौहान उर्फ चुनमुन के साथ पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पास से दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस और एक चोरी की दोपहिया बाइक बरामद की गई है। थानाध्यक्ष जंगीपुर विवेक कुमार तिवारी को 23 जुलाई को सूचना मिली कि फरार इनामी बदमाश बलिया रेलवे स्टेशन के पास दिखाई पड़ा है। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर



पहुंची तो आरोपी बाइक पर एक अन्य साथी के साथ फेफना की ओर भागने लगा। पीछा करते हुए पुलिस टीम रामपुर जीवन पुल (थाना जंगीपुर क्षेत्र) तक पहुँची, जहां दोनों आरोपियों ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग की। हिकमत से घेराबंदी कर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। पकड़े गए मुख्य अभियुक्त शिवम चौहान पुत्र रविन्द्र चौहान निवासी चैनपुर थाना रानीपुर जनपद मऊ पर हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट समेत दर्जों गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। वह थाना कोतवाली गाजीपुर में दर्ज मु.अ.सं. 516/25 धारा 261/262 बीएनएस समेत अन्य मामलों में वांछित था।

हरियाली अमावस्या वृक्षारोपण का महत्व

उजाला संचार कासिमाबाद से धर्मेन्द्र कुमार की रिपोर्ट, मरदह। हरियाली अमावस्या के दिन वृक्षारोपण का बहुत महत्व है। इस दिन, लोग विशेष रूप से पौधे लगाते हैं, जो न केवल पर्यावरण के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व भी रखते हैं।पौराणिक कथाओं के अनुसार, हरियाली अमावस्या पर पौधे लगाने से पितरों को शांति मिलती है और पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। इसी क्रम में माता तपेश्वरी सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में सैकड़ों छायादार, फलदार ,औषधि पौधों का पौधारोपण किया गया। इस पौधारोपण में कुख्या वक्ता प्रेम नारायण सिंह ने मुहा की हमारे जीवन के लिए वृक्षों का रहना जरूरी है। तभी ही प्राकृतिक संतुलन बना रहेगा। वृक्ष हमारे पुत्र के समान है जिस प्रकार हम अपने



आज धरती पर ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती जा रही है। धरती पर ऑक्सीजन की कमी हो रही है। वृक्षों के नही रहने से बारिश नहीं हो पा रही है। इन सब समस्याओं को देखते हुए पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए वृक्ष ही है जो हमें जीवन दान दे सकते हैं। इसीलिए हम लोगों ने वृक्षारोपण आज किया है। इस अवसर पर कृष्ण कुमार तिवारी ,योगेंद्र प्रसाद ,सुग्रीव सिंह, पूर्णमासी मोर्च ,अंजनी

श्रीवास्तव प्रधानाचार्य ,रामनाथ यादव, शिवकुमार सिंह ,राम अवतार यादव, आशुतोष चौबे आदि लोग उपस्थित रहे।

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन



ललित गर्ग

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मियता का अभाव देखने को मिल रहा है।



अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठ पाते हैं, कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील हैं? कितने करीब हैं? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल

जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे हैं। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्रियाएं, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में धंहर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। युद्ध समाज इतना कुटित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए युद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हैंस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी

ल्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली 'समृद्धि' है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, 'वर्क फ्रॉम होम' की जगह 'वर्क विद कम्युनिटी' को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेंडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए। डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलेपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले लोहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर संयंत्र करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार अकेला या एकाकी होता जा रहा है। असल में अकेलापन तभी मिटेंगा जब हम फिर से इंसान बनेंगे- संवेदनशील, सजीव, संवाद और रिश्तों की गर्माहट से भरे हुए।

संपादकीय

एसआईआर और नागरिकता

बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही निर्वाचन आयोग स्पेशल ईस्टिंग रिवीजन (एसआईआर) करवा रहा है। उसका कहना है कि कानून व संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सकता है ताकि नागरिकों को उचित मताधिकार मिल सके। विपक्ष का आरोप है, आयोग इसकी आड़ में नागरिकता की जांच कर रहा है। वे इस पर कानूनी व वैधानिक सवाल भी उठा रहे हैं। आयोग ने शीर्ष अदालत को दिए 88 पन्नों के हलफनामे में इस प्रक्रिया के तहत किसी की नागरिकता इस आधार पर न समाप्त करने की बात है कि उसका नाम मतदाता सूची के बाहर हो गया। पहचान के सीमित उद्देश्य के लिए आधार, मतदाता-पत्र व राशन-कार्ड पर विचार करने की

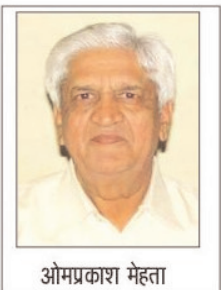


बात भी की है। आयोग के आदेशानुसार आठ करोड़ मूल बिहारियों को मतदाता सूची में शामिल रहने के लिए 25 जुलाई तक गणना फॉर्म भर कर जमा करना है जिसकी सूची पहली अगस्त को जारी की जा सकती है। संविधान के अनुच्छेद 325 के अनुसार किसी भी शस्त्र को केवल धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता। कानूनन देश का प्रत्येक नागरिक, जो 18 साल या उससे अधिक है, मतदाता के तौर पर पंजीकरण करा सकता है। इसमें सिर्फ गैर-नागरिक को नाम दर्ज कराने के अयोग्य ठहराया गया है। सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में स्पष्ट कर चुका है कि मताधिकार केवल संवैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार नहीं। मगर भारतीय नागरिक होने के बावजूद उसे शत्रु पूरी करनी होती है, और आवश्यक दस्तावेज देने होते हैं। आयोग की मंशा पर उंगली उठाने वालों का आरोप है कि गणना फार्म में मांगे गए दस्तावेज में आधार, मतदाता-पत्र व राशन-कार्ड का न शामिल होना सदह उपजाता है। चूंकि सरकार आधार को केवल पहचान-पत्र मान रही है, इसलिए यह संशय उठा है। यदि जल्द ही आयोग इसमें सुधार कर ले तो शायद इन आरोपों-प्रत्यारोपों से बचा जा सकता है। आयोग को अपनी छवि और स्वायत्तता का विशेष ख्याल रखना होगा। भारत लोकतांत्रिक देश ही नहीं है, दुनिया के समक्ष मताधिकार की ताकत की मिसाल भी पेश करता है। खास मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित करने की किसी राजनीतिक दल की साजिश का हिस्सा बनने से उसे न सिर्फ बचना होगा, बल्कि अपने पूर्ववर्तियों के नक़्शे-कदम पर चल कर सख्त रवैया अपनाते हुए लोकतंत्र का रक्षा कवच बनने से भी हिचकिचाना नहीं चाहिए।

चिंतन-मन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पथर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर उठते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों की अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमान नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।



ओमप्रकाश मेहता

श्री जगदीप धनखड़ ने उप-राष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा क्यों व किसके निर्देश पर दिया? यह सवाल तो अब पुराना हो गया है, बदलते राजनीतिक घटनाक्रम में अब अहम सवाल यह है कि अगला उप- राष्ट्रपति कौन? क्या बिहार के विधानसभा चुनावों की राजनीतिक प्रतिष्ठ के दौर में वहां के मौजूदा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को यह पद सौंपा जा सकता है? इस प्रयोग से केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा को दोहरी राजनीतिक उपलब्धि हो सकती है, एक ओर जहां बिहार के सशक्त नेता का भाजपा प्रवेश दूसरा बिहार में भाजपा की बढ़ती संभावनाएं, वैसे भी पिछले कुछ समय से मोरी और नीतीश के बीच राजनीतिक सौहार्द में अभिवृद्धि जगजाहिर हो रही है, इसलिए दिल्ली से पटना तक चल रहे मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम को पूर्णतः प्रायोजित समझना कतई गलत नहीं होगा और जहां तक जगदीप धनखड़ का सवाल उठे तो चंद घण्टों में ही सड़क पर अकेले खड़ा कर दिया गया है, वह मोदी की राजनीतिक कूटनीति का ताजा ज्वलंत उदाहरण है।



अमित बैनाथ गर्ग

हाल में मॉडल-अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की कार्डियक अरेस्ट के चलते 42 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई। उनके कार्डियक अरेस्ट आने की वजह एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन भी बताई जा रही है। शेफाली सात-आठ सालों से ये दवाएं ले रही थीं। जिस दिन उनकी मौत हुई उस दिन उनका व्रत था। वह खाली पेट भी इन दवाओं को ले रही थीं। असल में पिछले कुछ सालों में लोगों में उम्र को छिपाने और जवान दिखने का चलन तेजी से बढ़ा है। इसके लिए वे जम कर पैसा बहा रहे हैं। अगर एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के कारोबार की बात की जाए तो यह देश में तेजी से बढ़ रहा है। इसमें कॉस्मेटिक यानी सर्जरी एवं फिलर्स ट्रीटमेंट और दवाइयों, दोनों शामिल हैं। यह बाजार त्वचा की देखभाल, झुर्रियां हटाने और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने वाली दवाओं के उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। एक अनुमान के मुताबिक, 2023 में देश में एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार करीब 3,500 करोड़ रुपये का था। 2024 में इसका आकार 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। 2035 तक इसके 8,000 करोड़ रुपये से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह कारोबार 7-8 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है। कुछ कंपनियों का दावा है कि यह कारोबार दस साल



वैसे भी इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम को सूक्ष्म नजरों से देखा जाए तो यह परिलक्षित होता है कि भाजपा एक कमजोरे पार्टी नहीं कहलाना चाहती थी, पिछले एक साल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी केन्द्र में स्थिरता का आभास कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और उनके इस प्रयास में जो भी बाधा बनता है, उसे वे अलग-थलग कर देते हैं, दो न्यायाधीशों के महाभियोग के प्रकरण में चूंकि धनखड़ भी दिलचस्पी दिखा रहे थे, जो मोदी को बिल्कुल पसंद नहीं था, इसलिए यह

घटनाक्रम घटित हुआ साथ ही धनखड़ ने राज्यसभा में विधायी कार्यों की निर्यत्रि करने का प्रयास भी किया था, जो मोदी जी को पसंद नहीं था और इस कारण से यह पूरा राजनीतिक घटनाक्रम घटित हुआ और धनखड़ को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा, नेतृत्व की नाराजी रातों-रात किसी राजनेता का क्या हथ्र कर देती है, यह इसका सबसे बड़ा और ताजा उदाहरण है।

हाँ, तो आज का मुख्य विन्दु कौन बनेगा उप-राष्ट्रपति था, संविधान के नियमानुसार उप- राष्ट्रपति पति के

एंटी एजिंग दवा : फैला है सेवाओं का भ्रमजाल



बाद दस हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का होगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार कितनी तेजी से पैर पसार रहा है। एक्सपर्ट बताते हैं कि लोगों में जवां दिखने की चाहत तेजी से बढ़ रही है। इनमें 30-50 साल तक की उम्र वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। देश में एंटी-एजिंग उपचार के लिए कई तरह की दवाएं, इंजेक्शन तथा सर्जरी बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। इस बिजनेस में दखल रखने वाली कई कंपनियों ने अलग-अलग शहरों में अपने क्लिनिक खोल लिए हैं। मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के मौजूदा कारोबार में अंग्रेजी, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयों, स्किन संबंधी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स, बोटोक्स सर्जरी तथा

फिलर्स ट्रीटमेंट के बिजनेस शामिल हैं। एंटी-एजिंग उपचार वह प्रक्रिया है, जिसमें आपको बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाया जाता है। यह त्वचा पर झुर्रियां बढ़ने से रोकने का उपचार है। इसके तहत कॉस्मेटिक, दवाइयों, सर्जरी, इंजेक्शन और कोलेजन सप्लीमेंट्स आते हैं। एंटी-एजिंग उपचार अंग्रेजी के साथ आयुर्वेदिक तरीके से भी करने का दावा किया जाता है। अंग्रेजी कंपनियों के साथ कुछ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक कंपनियों ने भी दवाएं, ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और कोलेजन सप्लीमेंट्स बनाने शुरू कर दिए हैं। कहने का अभिप्राय यह है कि आयुर्वेदिक-होम्योपैथिक कंपनियों की भी अंग्रेजी दवा कंपनियों की तरह इस बाजार पर पूरी नजर है। हालिया कई सर्वे

इस्तीफों के बाद साठ दिवस की अवधि में नए उप-राष्ट्रपति का चुनाव होना चाहिए, इसलिए सितम्बर अंत तक नया उप- राष्ट्रपति चुनाव मौजूदा नरेन्द्र मोदी सरकार की पहली प्राथमिकता होगी, जिसके लिए प्रयास शुरू हो गए हैं और अब इस पद के लिए नीतीश कुमार जो का नाम ही सुर्खियों में है, जिनको मूर्तरूप देने के बाद बिहार में भाजपा का दमखम बढ़ सकता है और तीन-चार चुनाव में भाजपा की संभावनाएं बलवती हो सकती है।

....और मोदी के इस प्रयोग से भाजपा और उनकी केन्द्र सरकार दोनों को ही राजनीतिक लाभ हासिल हो सकता है। इस राजनीतिक घटना के तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि मोदी जी ने तीन साल बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए अपनी जड़े अभी से मजबूत करना शुरू कर दिया है तो कतई गलत नहीं होगा, क्योंकि मोदी के राजनीतिक भविष्य को लेकर अभी से विभिन्न क्षेत्रों में कयासों का दौर शुरू हो गया है, कहा तो यहां तक भी गया कि यदि 75 का बंधन सामने आया तो स्वयं मोदी जी प्रधानमंत्री पद अपने विश्वस्त सहयोगी को सौंप कर स्वयं उप- राष्ट्रपति बन सकते हैं, लेकिन मौजूदा राजनीतिक दौर में यह कयास राजनीतिक पंडितों के गले नहीं उतर रहा है।

....लेकिन यही सही भी है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल और उसमें घट रहे राजनीतिक घटनाक्रम मोदी जी के राजनीतिक भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं, इसलिए उन्हें काफी सूक्ष्म दृष्टि से देखा प्रशा जा रहा है। अब यह तो भविष्य ही बताएगा कि मोदी जी का 2029 के बाद राजनीति भविष्य क्यों व कैसा होगा?

और रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनिया की तरह भारत में भी एक बड़ी आबादी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देख कर प्रॉडक्ट्स का जम कर उपयोग कर रही है। कई सेलेब्रिटी हैं, जो टीवी और सोशल मीडिया पर इस तरह की दवाओं का प्रचार कर रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि एंटी-एजिंग की कुछ दवाओं में हार्मोन, स्टेरॉयड या अन्य केमिकल्स होते हैं, जो शरीर के नेचुरल सिस्टम से छेड़छाड़ करते हैं। इससे हार्ट और लिवर को नुकसान पहुंच सकता है। हार्मोन बैलेंस भी बिगड़ सकता है। इन दवाओं का लगातार सेवन करना ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या हार्ट से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकता है। कई लोगों की स्किन बहुत ज्यादा संवेदनशील होती है, कुछ को एलर्जी की समस्या भी होती है। डॉक्टरों का कहना है कि हर किसी को किसी भी नए प्रॉडक्ट का उपयोग करने से पहले एक बार डमेटीलॉजिस्ट से सलाह ले लेनी चाहिए। कोई भी दवा या सप्लीमेंट डॉक्टर की देखरेख में इस्तेमाल करने से ही उसके सुरक्षित बने रहने के चांस ज्यादा होते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बिना दवा के भी बढ़ती उम्र में जवान दिखा जा सकता है। इसके लिए फल एवं हरी सब्जियों का सेवन करें। वे एप्पल,केरी, ब्ल्यूबेरी, हल्दी, नट्स और सीड्स तथा हरी पत्तेदार सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। ये फल-सब्जियां कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देते हैं, जिससे त्वचा टाइट और ग्लोइंग बनी रहती है। वहीं, पालक-मेथी जैसी हरी सब्जियों में विटामिन-के, आयरन और फोलेट होता है, जो ब्लड सकरुलेशन को बेहतर बनाता है। इन सभी को नियमित रूप से डाइट में शामिल करें। इसके साथ हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करें। रोजाना 30 मिनट व्यायाम करें, पूरी नींद लें, भरपूर मात्रा में पानी पिएं और जंक फूड कम से कम खाएं। सबसे जरूरी बात यह है कि दौड़ती-भागती जिंदगी में तनाव का प्रबंधन करें।

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन लॉटस गेमिंग ऐप के जरिए करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा, लखनऊ पुलिस ने 16 सदस्यीय अंतरराज्यीय गिरोह को किया गिरफ्तार



लखनऊ, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की पूर्वी जोन क्राइम टीम और थाना गुडम्बा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ऑनलाइन बेटिंग के नाम पर करोड़ों की साइबर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने एक फ्लैट से इस गिरोह के 16 शांति सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी बैंक खातों, लॉटस गेमिंग साइट, और रेंट पर लिए गए खातों के माध्यम से देशभर के लोगों से ठगी कर रहे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना गुडम्बा क्षेत्र के स्मृति अपार्टमेंट स्थित एक फ्लैट में कई युवक संदिग्ध रूप से रह रहे हैं। जब पुलिस टीम फ्लैट नंबर 403 पर पहुंची, तो वहां 16 युवक मिले, जिनके पास से भारी मात्रा में ठगी में प्रयुक्त सामान बरामद हुआ। तलाशी के दौरान पुलिस को 1.07 करोड़ नकद, 79 एटीएम कार्ड, 22 पासबुक, 13 चेकबुक, 30 मोबाइल फोन, 2 टैबलेट, 13 आधार कार्ड, फर्जी दस्तावेज, 3 लैपटॉप, 2 नोट गिनने की मशीनें और पुराने नोट बरामद हुए। पछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लॉटस गेमिंग साइट के माध्यम से ऑनलाइन अवैध बेटिंग प्लेटफॉर्म चलाते थे। गेम खेलने के लिए खिलाड़ियों से जो पैसे जमा होते थे, उन्हें वे फर्जी या किराए के खातों में जमा करवाते थे और फिर उसे केशा निकालकर मुख्य संचालकों तक पहुंचाते थे। गिरोह के सदस्यों ने के कई राज्यों में रहने वाले लोगों को पैसे का लालच देकर उनके नाम पर खाते खुलवाए, और उनसे पासबुक, एटीएम व सिम कार्ड लेकर उनका दुरुपयोग किया। गिरफ्तार आरोपियों में अधिकांश छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से हैं, जबकि कुछ गुजरात के मैसाना और गांधीनगर के निवासी हैं। पुलिस द्वारा इनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ थाना गुडम्बा में साइबर ठगी और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त लखनऊ द्वारा 1 लाख का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। लखनऊ पुलिस की यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता के रूप में देखी जा रही है, जिसने देशभर में फैले ऑनलाइन ठगी गिरोहों पर कड़ा संदेश दिया है।

बीबीएयू ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश निर्देशिका जारी की, 24 नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत

लखनऊ , स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश निर्देशिका जारी कर दी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने 24 नवीन पाठ्यक्रमों की घोषणा की है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई) 2020 की भावना के अनुरूप बहुविषयक, लचीले और नवाचारपूर्ण शिक्षा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। ये पाठ्यक्रम तकनीक, मीडिया, कृषि, स्वास्थ्य, योग और भाषाओं सहित विविध क्षेत्रों को समाहित करते हैं। कुलपति प्रो. राज कुमार मिश्र ने कहा कि बीबीएयू केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास का केंद्र है। उन्होंने बताया कि उद्योगों की मांग, तकनीकी दक्षता और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं, जिनमें थ्योरी और प्रैक्टिकल का संतुलन है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय मस्टीपन स्किल्स को प्रोत्साहित करने के लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी संचालित कर रहा है, जिन्हें छात्र अपनी नियमित पढ़ाई के साथ कर सकते हैं। नए शुरू किए गए पाठ्यक्रमों में पीजी डिप्लोमा के अंतर्गत सोशल मीडिया मार्केटिंग, फिल्म एवं थिएटर एक्टिंग एवं एडिटिंग, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, जनसंचार एवं पत्रकारिता में डिजाइन और ग्राफिक्स, मैनुस्क्रिप्टोलॉजी, कॉमिटिव न्यूरोसाइंस, पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी शामिल हैं। वहीं सर्टिफिकेट कोर्स में रेंडियो जॉकी (आरजे) एवं वीडियो जॉकी (वीजे) प्रशिक्षण, बेकरी एवं कंफेक्शनरी, साइबर सिक्योरिटी, आयुर्वेदिक न्यूट्रिशन एंड वेलनेस जैसे विकल्प दिए गए हैं। इसके अलावा एनएससी इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस, एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग, बी.वोक इन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म जैसे नवाचारपूर्ण पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। कुछ कोर्सेस विशेष विभागों जैसे पत्रकारिता, कृषि विज्ञान, योग विज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.bbau.ac.in के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रारंभ हो चुकी है। यूजी कोर्सेस के लिए सीयूईटी (CUET) स्कोर अनिवार्य है, जबकि कई पीजी/डिप्लोमा कोर्सेस के लिए सीधे ही विश्वविद्यालय स्तर पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बीबीएयू की यह पहल केवल लखनऊ या उत्तर भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर भी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रही है। अब तक विश्वविद्यालय को 19 देशों से अंतरराष्ट्रीय आवेदनों की प्रतिक्रिया हो चुकी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे समय रहते प्रवेश प्रक्रिया पूरी करें और इन रोजगारोन्मुखी व नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों का लाभ उठाएं।

योगी सरकार ने दी डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय को हरी झंडी, गाजियाबाद में खुलेंगे उच्च शिक्षा के नए द्वार

लखनऊ, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गाजियाबाद के मोदीनगर में स्थापित होने वाले डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय को संचालन की अनुमति प्रदान कर दी है। बुधवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विश्वविद्यालय को संचालन प्राधिकार पत्र सौंपा। प्रस्तावित विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2025 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 8 सन 2025) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची-2 में क्रमांक 49 पर शामिल किया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय को वैधानिक मान्यता प्राप्त हो गई है, जिससे यह औपचारिक रूप से संचालन शुरू कर सकेगा। युवाओं को मिलेगा उच्च शिक्षा का लाभ इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार की शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित समूह द्वारा गाजियाबाद में स्थापित होने वाला यह विश्वविद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर प्रदान करेगा। यह कदम न केवल स्थानीय युवाओं को लाभान्वित करेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। मंत्री ने आगे कहा कि योगी सरकार निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से शिक्षा में बुनियादी ढांचे के विकास और नवाचार को प्रोत्साहित कर रही है। यह कदम उत्तर प्रदेश सरकार की नई शिक्षा नीति-2020 के तहत उच्च शिक्षण संस्थाओं की संख्या बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और सकारात्मक पहल है।

राष्ट्रीय हिन्दी

उजाला संचार

गौसेवा, पशु कल्याण और शिक्षा के संगम पर लखनऊ नगर निगम की अनूठी पहल

महापौर व नगर आयुक्त ने गौशालाओं और विद्यालय का किया संयुक्त निरीक्षण

एजेंसी

लखनऊ, नगर निगम लखनऊ द्वारा संचालित गौशालाओं और पशु कल्याण कार्यक्रमों की प्रगति तथा उनके साथ जुड़े सामाजिक सरोकारों की व्यापक समीक्षा के लिए बुधवार को महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने संयुक्त निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जहराहा इंदिरा नगर स्थित राधा उपवन गौशाला और नादरगंज, सरोजनी नगर स्थित कान्हा उपवन गौशाला में किया गया। दोनों स्थलों पर 10,000 से अधिक गौवंशों की देखरेख की जा रही है, जहां चारा, चिकित्सा, सुरक्षा, सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पाया



गया कि गौशालाओं में हरा चारा, भूसा, स्वच्छ पेयजल, सीसीटीवी

निगरानी, बीमार गौवंशों के लिए विशेष चिकित्सा सुविधा, शोड, ईयर

टैगिंग और टीकाकरण जैसी सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं। महापौर

ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि छोटे और बड़े गौवंशों के लिए भोजन, स्थान और चिकित्सा की अलग व समयबद्ध व्यवस्था हो। नगर आयुक्त ने श्वान बंध्याकरण केंद्र और निर्माणधीन एबीसी ट्रेनिंग सेंटर की प्रगति की समीक्षा करते हुए जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कान्हा उपवन परिसर में संचालित विद्यालय का भी दौरा किया और बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा के साथ-साथ स्टेशनरी सामग्री की भी समुचित

व्यवस्था की जाए, ताकि संसाधनों के अभाव में कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। महापौर ने कहा, "गौसेवा, पशु कल्याण और बच्चों की शिक्षा – ये केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारियां हैं। नगर निगम लखनऊ इन सभी क्षेत्रों में संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य कर रहा है।" निरीक्षण के पश्चात महापौर ने सभी व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया और कहा कि गौवंश संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत है, जिसकी रक्षा के लिए नगर निगम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को इस सेवा कार्य के लिए बधाई भी दी।

कांग्रेस कार्यालय में आज़ाद और तिलक की जयंती पर अजय राय ने अर्पित की पुष्पांजलि, स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों पर चलने का आह्वान

एजेंसी

लखनऊ, प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आज अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद और महान स्वतंत्रता सेनानी-समाज सुधारक बाल गंगाधर तिलक की जयंती मनाई गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने दोनों क्रांतिकारी महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि देश को मिली आज़ादी इन वीरों के त्याग और बलिदान की श्रृणी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक कांग्रेसजन का दायित्व है कि राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को कायम रखते हुए देश की प्रगति के लिए लगातार कार्य करते रहें। अजय राय ने कहा कि चन्द्रशेखर आज़ाद और बाल गंगाधर तिलक ने अपने अदम्य साहस, विचार और संघर्ष से स्वतंत्रता आंदोलन में नई ऊर्जा भरी। उनके आदर्श आज भी प्रेरक हैं और वर्तमान पीढ़ी को राष्ट्रहित में समर्पण का



संदेश देते हैं। कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष डॉ. शहजाद आलम, सूचना का अधिकार विभाग के प्रदेश चेयरमैन पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, पूर्व प्रवक्ता विकास श्रौवस्तव, विजय बहादुर, नरेन्द्र त्रिपाठी, राम बरन गौतम, डॉ. अरविन्द बहादुर सिंह, चिदानन्द पांडेय, अजमत उल्ला, एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव

आर्यन मिश्रा, अब्दुल्ला रोर खान, फैजि सहित कई कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेताओं ने संकल्प लिया कि वे देश के इन महान सपूतों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए लोकतंत्र, समानता और सामाजिक न्याय के मूल्यों को मजबूत करने के लिए सतत प्रयत्नशील रहेंगे।

उपराष्ट्रपति के त्यागपत्र को लेकर प्रमोद तिवारी का तीखा हमला, पूछा- इस्तीफा दिया गया है या लिया गया?

एजेंसी

लखनऊ , राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा अपना कार्यकाल पूरा किए बिना त्यागपत्र देने को अत्यंत दुःख, दुर्भाग्यपूर्ण और देश के लिए हताश करने वाला बताया है। उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा पर संवैधानिक पदों के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की ओर से उपराष्ट्रपति को उनके पद से सम्मानजनक विदाई तक नहीं दी गई, जो संसदीय परंपराओं का धोर उल्लंघन है। तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपराष्ट्रपति को लेकर किए गए ट्वीट में धन्यवाद या प्रशंसा का एक भी शब्द न होना यह दर्शाता है कि यह त्यागपत्र स्वेच्छा से दिया गया या फिर दबाव में लिया गया — इस पर गहन

सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक का हवाला देते हुए कहा कि त्यागपत्र के दिन देर शाम तक धनखड़ पूरी तरह स्वस्थ दिखे, बैठक में भाग लिया और हँसी-मजाक करते नजर आए। ऐसे में मात्र दो घंटे बाद उनका इस्तीफा सामने आना कई गंभीर आश्चर्य जन्म देता है। प्रमोद तिवारी ने कहा कि जब कोई संवैधानिक पदाधिकारी पद से विदा लेता है, तो उसकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना परंपरा होती है, लेकिन भाजपा सरकार ने इस गरिमा का भी पालन नहीं किया। उन्होंने इसे मोदी सरकार की संवैधानिक मूल्यों के प्रति उदासीनता का स्पष्ट प्रमाण बताया। इसके साथ ही तिवारी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर भी कटाक्ष किया और उन्हें सलाह दी कि वे "दुनिया को भारतीय संस्कृति की शिराट सिखाने" के बजाय



भाजपा और प्रधानमंत्री की शिराट पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जब खुद उपराष्ट्रपति अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए, तो भागवत को प्रधानमंत्री की उम्र और पद की गरिमा के सवालों पर भी गंभीरता से सोचना चाहिए। प्रमोद तिवारी ने

दो टुक कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि उपराष्ट्रपति का इस्तीफा स्वेच्छा से दिया गया है या राजनीतिक दबाव में लिया गया है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम को लोकतंत्र और संवैधानिक परंपराओं के लिए खतरनाक संकेत बताया।

आस्था, सामाजिक न्याय और लोकतंत्र पर अखिलेश यादव का तीखा हमला: भाजपा को बताया नफरत की राजनीति करने वाला दल

एजेंसी

लखनऊ, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए उसे समाज को बांटने वाली, नफरत फैलाने वाली और लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाली पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि "आस्था जोड़ने का काम करती है और समाजवादी पार्टी हर उस आस्था के साथ है, जो लोगों को जोड़ती है।" अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को हर जोड़ने वाली चीज से चिढ़ है क्योंकि वह एक नकारात्मक सोच रखने वाले लोगों का समूह है। अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी सभी धर्मों का सम्मान करती है और हर धर्म, जाति, वर्ग की आस्थाओं का आदर करना उसका मूल स्वभाव है। उन्होंने कहा, "हम लोगों में दूरी नहीं, नजदीकी चाहते हैं। लेकिन

भाजपा चाहती है कि समाज में दूरियां बनी रहें, लोग एकजुट न हों।" उन्होंने भाजपा पर भेदभाव करने और नफरत की राजनीति को बढ़ावा देने का गंभीर आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) के खिलाफ कार्य किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में बुनकरों और पसमांदा मुसलमानों के लिए जो कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई थीं, उन्हें भाजपा सरकार ने आते ही ठप कर दिया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में बुनकरों और पसमांदा मुसलमानों के लिए जो कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई थीं, उन्हें भाजपा सरकार ने आते ही ठप कर दिया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए के समर्थन से सामाजिक न्याय आधारित शासन की स्थापना करेगी। प्रदेश की बिजली व्यवस्था पर भी अखिलेश यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली संकट गहराता जा रहा है और भाजपा सरकार बिजली उत्पादन बढ़ाने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने तंज कसते हुए

बायोप्लॉक पद्धति से मत्स्य पालन की पहल: राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 10 जनपदों में 2158 महिलाएं जुड़ें

एजेंसी

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRML) के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बायोप्लॉक पद्धति से मत्स्य पालन की अभियान पहल शुरू की गई है। इस योजना की रूपरेखा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन और दूरदर्शी सोच के तहत तैयार की गई है। मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस परियोजना को प्रदेश के 10 जनपदों में क्रियान्वित किया जा रहा है। परियोजना के सफल संचालन हेतु उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, मत्स्य पालन विभाग और Naturegenix संस्था के मध्य त्रिपक्षीय अनुबंध

(MoU) किया गया है। इसके तहत बायोप्लॉक तकनीक द्वारा सिंची मछली का पालन किया जा रहा है, जो कम जल में अधिक उत्पादन की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी माना जाता है।

इस परियोजना में महिलाओं की भागीदारी को प्राथमिकता देते हुए अब तक 2158 महिलाओं को जोड़ा गया है और 155 उत्पादक समूहों का गठन किया गया है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए न केवल आजीविका का सशक्त साधन बनेगी, बल्कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता और उद्यमिता को भी बढ़ावा देगी। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का यह कदम ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

अब सिर्फ स्पष्टता और पैशन के साथ काम करेंगी : तनीषा मुखर्जी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने करियर को लेकर एक स्पष्ट और परिपक्व नज़रिया पेश किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि अपने अभिनय जीवन में उन्होंने कई गलतियां की हैं, लेकिन अब वह पहले से कहीं ज्यादा सतर्क हो चुकी हैं और सोच-समझकर ही प्रोजेक्ट्स का चुनाव करती हैं। तनीषा का कहना है कि अब वह सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स से जुड़ना चाहती हैं, जहां स्पष्ट दृष्टिकोण और सच्चा जुनून हो। तनीषा के अनुसार, पहले वह दूसरों के विजन पर भरोसा करके काम कर लिया करती थीं, लेकिन कई बार यह भरोसा नुकसानदायक साबित हुआ और उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा। अनुभव से उन्होंने सीखा है कि अब बिना



स्पष्टता और ठोस योजना के किसी भी काम का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। तनीषा का मानना ​​है कि किसी निर्देशक के अनुभव से ज्यादा जरूरी उसका दृष्टिकोण और तैयारी होती है। चाहे निर्देशक नया हो या अनुभवी, यदि उसमें अपनी कहानी को लेकर स्पष्टता है और वह पूरी तैयारी के साथ

नकल करते नजर आते हैं, लेकिन अब वह ऐसे 'कॉपीकेट्स' के साथ काम नहीं करेंगी। तनीषा के मुताबिक, अब उनके लिए दो ही बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं: स्पष्टता और विजन। अब वह ऐसे निर्देशकों या प्रोड्यूसर हाउस से दूर रहना चाहती हैं जो खुद भी अपनी दिशा को लेकर असमंजस में हों। उन्होंने यह भी कहा कि एक कलाकार के तौर पर वह हमेशा नई संभावनाओं और चुनौतीपूर्ण किरदारों की तलाश में रहेंगी, लेकिन अब वह समझौता नहीं करेंगी। तनीषा का यह नया दृष्टिकोण उनके करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देता है, जिसमें वह खुद के अनुभवों से सीखकर अधिक सजग, चयनशील और आत्मविश्वासी हो चुकी हैं।

ओलंपिक की मेजबानी करना हमारे लिए एक उपलब्धि होगी: पीटी उषा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा है कि भारत को 'ग्लोबल स्पोर्ट्स पावरहाउस बनाने का 'विजन 2036' ओलंपिक मेजबानी का



लक्ष्य रखता है। उन्होंने इसे एक संभावित उपलब्धि बताया है।

पीटी उषा ने कहा, भारत को विश्व पटल पर खेल के क्षेत्र में पावरहाउस बनाने का हमारा लॉन्ग टर्म लक्ष्य है। यही दृष्टिकोण आज के विषय, भारत की खेल आकांक्षाओं, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के विजन 2036 के केंद्र में है। उन्होंने कहा, 2036

तक, हम न केवल ओलंपिक में निरंतर सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, बल्कि ओलंपिक गेम्स को भारत में भी लाना चाहते हैं। यह आयोजन हमारे लिए एक उपलब्धि होगी, जो भारत की बढ़ती क्षमता, आत्मविश्वास और वैश्विक खेल उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पीटी उषा ने पीएम की बातों को दोहराते हुए कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, युवा और खेल भारत के भविष्य के दो इंजन हैं। एक सशक्त खिलाड़ी एक सशक्त राष्ट्र का प्रतिबिंब होता है। 'क्रॉन ऑफ ट्रैक एंड फील्ड' और उड़नपरी नाम से मशहूर पीटी उषा ने कहा, यह शक्तिशाली संदेश हमारी मिशन की भावना को दर्शाता है। इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए, हम मिलकर एक मजबूत और टिकाऊ एथलेटिक रणनीति बनाएंगे।

मैनचेस्टर टेस्ट : इंगरी के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे ऋषभ पंत

मैनचेस्टर, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट के पहले दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बैटिंग के दौरान दाएं पैर में चोट लगी थी, जिसकी वजह से उन्हें बाहर जाना पड़ा था। लेकिन, दूसरे दिन जब भारत को जरूरत पड़ी तो वह बल्लेबाजी के लिए उतरे।

बीसीसीआई ने दूसरे दिन के खेल को शुरुआत से पहले कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो पंत बल्लेबाजी के लिए जा सकते हैं। बीसीसीआई ने गुरुवार को एक आधिकारिक अपडेट में कहा, ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन दाहिने पैर में चोट लगी थी, बाकी मैच में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगे। ध्रुव जुरेल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे। अपनी चोट के बावजूद, ऋषभ पंत दूसरे दिन टीम में शामिल हो गए हैं और टीम की आवश्यकताओं के अनुसार बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ऋषभ पंत जब बल्लेबाजी करने उतरे तो दर्शकों ने खड़े होकर उनकी हिम्मत की प्रशंसा की। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन भारतीय पारी के 68वें ओवर में तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप



खेलने की कोशिश में पंत अपने दाहिने पैर को चोटिल कर बैठे। गेंद अंदरूनी किनारे से लगकर उनके पैर के ऊपरी हिस्से पर जा लगी, जिस जगह गेंद लगी थी, उस स्थान में सूजन हो गई थी और खून भी निकल रहा था। इस वजह से पंत अपने घायल पैर पर ज्यादा वजन नहीं डाल पा रहे थे और उन्हें फील्ड से बाहर जाना पड़ा।

पंत जब मैदान से बाहर हुए तो उस समय 48 गेंद पर 37 रन बनाकर खेल रहे थे। स्कैन के बाद पता चला है कि पंत के दाहिने पैर की पांचवीं मेटाटर्सल हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है, जिससे उबरने में कम से कम छह हफ्ते लगेंगे। इस वजह से वे 31 जुलाई से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से भी बाहर हो गए हैं।

दूरसंचार पीएलआई ने आकर्षित किया 4,305 करोड़ रुपए का निवेश : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। दूरसंचार क्षेत्र में प्रोडक्शन लिंकड इंसेंस्टिव (पीएलआई) की लाभार्थी कंपनियों ने सामूहिक रूप से 4,305 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिससे 85,391 करोड़ रुपए की बिक्री हुई है, जिसमें 16,414 करोड़ रुपए का निर्यात (31 मई, 2025 तक) शामिल है।

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि इस निवेश से 28,067 लोगों को रोजगार भी मिला है।दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए पीएलआई योजना का उद्देश्य इस सेक्टर में 12,195 करोड़ रुपए के

परिव्यय के साथ घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। दूरसंचार पीएलआई योजना के तहत कुल 42 कंपनियों को लाभार्थी के रूप में चिन्हित किया गया है।

इमके अलावा, 5जी सेवाओं को शुरू करने के लिए, 700 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड सहित अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार (आईएमटी) के लिए विभिन्न स्पेक्ट्रम बैंडों में एक्सेस स्पेक्ट्रम वर्ष 2022 और 2024 में आयोजित स्पेक्ट्रम नीलामी के माध्यम से दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) को आवंटित किया गया है।

नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम

प्राप्त करने वाले सफल बोलीदाताओं को 5जी सहित किसी भी आईएमटी तकनीक को लागू करने की अनुमति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, डाक विभाग ने डाकघर बचत बैंक सेवाओं के डिजिटलीकरण, डाक जीवन बीमा को कागज रहित और ऑनलाइन प्रणाली में परिवर्तित करने, डाक घर निर्यात केंद्रों की स्थापना और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग, बीमा और ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ई-कॉमर्स संस्थाओं के साथ सहयोग जैसी नई पहल की है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने संचार क्षेत्र में इनोवेशन और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं।

भारत का मैनुफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 60.7 रहा, निजी सेक्टर ने किया मजबूत प्रदर्शन

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। वैश्विक मांग और मैनुफैक्चरिंग गतिविधियों में तेजी से भारत के प्राइवेट सेक्टर का प्रदर्शन जुलाई में मजबूत रहा है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुए एचएसबीसी पलेश इंडिया कम्पोजिट परचेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) में दी गई। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी पलेश इंडिया कंपोजिट पीएमआई जुलाई में 60.7 रहा है, जो कि जून में 58.4 था।

मैनुफैक्चरिंग पीएमआई इंडेक्स जून के 58.4 से बढ़कर जुलाई में 59.2 पर पहुंच गया। यह मैनुफैक्चरिंग पीएमआई का लगातार साढ़े 17 वर्षों का उच्चतम स्तर है। सर्विसेज पीएमआई जुलाई में 59.8 रहा, जो जून के 60.4 से कम है। यह दिखाता है कि सर्विसेज सेक्टर की गतिविधियों में तेजी जारी है, लेकिन वृद्धि की रफ्तार धीमी हुई है।

एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रॉजुल भंडारी ने कहा, भारत का पलेश कंपोजिट पीएमआई जुलाई में 60.7 पर रहा। इस मजबूत प्रदर्शन की वजह कुल बिक्री, निर्यात ऑर्डर और उत्पादन स्तर में वृद्धि होना है। भारतीय मैनुफैक्चरर्स ने तीनों ही मानकों के लिए सेवाओं की तुलना में तेज विस्तार दर्ज करते हुए अग्रणी स्थान हासिल किया।

उन्होंने आगे कहा, भारत में निजी क्षेत्र की फर्मों को प्राप्त अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर वित्त वर्ष 26 की दूसरी



तिमाही की शुरुआत में तेजी से बढ़े। हालांकि, इस दौरान मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है क्योंकि जुलाई में इनपुट लागत और आउटपुट शुल्क दोनों में वृद्धि हुई है। एचएसबीसी के अनुसार, भारतीय कंपनियां अगले 12 महीनों में उत्पादन वृद्धि को लेकर आशावादी बनी हुई हैं। नोट में बताया गया कि विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में रोजगार में मजबूत वृद्धि देखी गई है, जो दर्शाता है कि भारत के मैनुफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों क्षेत्रों में विस्तार के साथ-साथ रोजगार सृजन भी बढ़ रहा है।

जहां वस्तु उत्पादकों ने मई के दौरान पिछले तीन महीनों में उत्पादन में सबसे धीमी वृद्धि दर्ज की, वहीं सर्विस प्रोवाइडर्स ने मार्च 2024 के बाद से सबसे तेज वृद्धि दर्ज की। एचएसबीसी सर्वेक्षण के अनुसार, निगरानी की जा रही कंपनियों ने वृद्धि का श्रेय बढ़ती मांग, टेक्नोलॉजी में निवेश और क्षमताओं में विस्तार को दिया है।

सात्विक-चिराग चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में, सिंधु और प्रणय हारे

चांगझाऊ, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। ऊति हुड्डा ने अपने करियर का सबसे बड़ा उल्टफेर करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधू को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर गुरुवार को चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी प्रतिष्ठित हमवतन खिलाड़ी का केवल दूसरी बार सामना करते हुए 17 वर्षीय हुड्डा ने कठिन क्षणों में धैर्य बनाए रखा और 73 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वह पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं।

रोहतक की इस किशोरी ने



2022 ओडिशा मास्टर्स और 2023 अबू धाबी मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीते थे। वह आले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी। सिंधू सात साल में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी साथी भारतीय से हारी हैं।

इससे पहले सात्विकसाईराज रंकरिड्डी और चिराग शेठ्टी की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो

एसीसी की बैठक में वर्चुअली भाग लेगा बीसीसीआई

दुबई, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। एशियाई क्रिकेट परिषद के संबंध में सर्वेस खत्म होता हुआ दिख रहा है। दरअसल, बीसीसीआई ढाका में होने वाली बैठक में वर्चुअली तौर पर हिस्सा लेने को तैयार है। हालांकि, बीसीसीआई ने शुरू में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक का बहिष्कार किया था लेकिन अब वह वर्चुअल बैठक के लिए मान गया है।

एशिया कप 2025 के आयोजन स्थल को लेकर गतिरोध निश्चित रूप से चर्चा में आएगा क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात के दुबई, अबुधाबी और शारजाह में मैदान होने के कारण ये एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहा है।

मेजबानी की दौड़ में दूसरा

देश श्रीलंका है क्योंकि भारत बांग्लादेश की यात्रा नहीं करेगा। एसीसीसी सूत्र ने पीटीआई से कहा कि, बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व उसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वर्चुअल रूप से करेंगे जो एसीसी बोर्ड के नामित सदस्य हैं। एशिया कप के आयोजन स्थल पर अंतिम निर्णय लिया जाना है इसलिए बीसीसीआई ने वर्चुअल रूप से बैठक में भाग लेने का फैसला किया है।

बीसीसीआई ने अगस्त में अपने बांग्लादेश दौर को पहले ही स्थगित कर दिया है। उसने पहले महाद्वीपीय संस्था से आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध किया था। राजनीतिक अशांति और स्थिर सरकार के अभाव के कारण भारतीय बोर्ड बांग्लादेश की यात्रा को लेकर संशय में है।

केपटाउन, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका के नियमित सीमित ओवरों के कप्तान एडन मारक्रम और टेम्बा बावुमा अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए क्रमशः अंतरराष्ट्रीय टी-20 और एकदिवसीय टीमों की कमान संभालेंगे। दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं ने नए संयोजक पैट्रिक मोरोनी के एक अगस्त को काम शुरू करने से पहले ऑस्ट्रेलिया दौर के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम की घोषणा कर दी है। एकदिवसीय टीम में तेज गेंदबाज किगिस रबाडा और स्पिनर केशव महाराज शामिल हैं।

महाराज टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। महाराज को जगह बाएं हाथ के स्पिनर जॉर्ज लिंडे और सेनुरन मुथुसामी, जो दोनों इस समय जिम्बाब्वे में

दिव्या देशमुख ने झोंगयी को हराकर पहली बार शतरंज विश्वकप के फाइनल में किया प्रवेश

बातुमी (जॉर्जिया), 24 जुलाई (वेब वार्ता)। भारत की युवा इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने इतिहास रचते हुए फीडे महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है, दिव्या ने सेमी फाइनल के दूसरे क्लासिकल मुकाबले में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन और विश्व



नंबर तान ज्झोंगाई को पराजित करते हुए फाइनल में तो प्रवेश किया ही साथ ही उन्होंने अगले वर्ष होने वाले फीडे कैडिडेट के लिए भी पात्रता हासिल कर ली है और ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयी है। 19 वर्षीय दिव्या ने पिछले साल ही विश्व जूनियर चैंपियन बनने का

कारनामा किया था और विश्व शतरंज ओलंपियाड में टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सफेद मोहरों से खेलेते हुए दिव्या ने सिसिलियन ओपेनिंग में एक अच्छी स्थिति हासिल कर ली थी पर खेल की 31वां चाल में भारी भूल के चलते वह हार की कगार पर पहुंच गयी थी पर तान समय के दबाव में अपने वजीर को कुरबान कर जीतने की चाल नहीं देख पायी और उसके बाद दिव्या ने खेल में वापसी करते हुए अपने खेल जीवन की सबसे बड़ी सबसे खास जीत दर्ज की। और एक नया इतिहास बना दिया। अब फाइनल में उनका सामना कोनरे हम्पी और लेई टिंगजे की विजेता खिलाड़ी से होगा।

मारक्रम और बावुमा करेंगे ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर टीम में वापसी

हैं, लेग स्पिनर नकाबा पीटर के साथ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए अपने विकल्पों का आकलन कर रहा है। टी-20 में रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टुव्स की वापसी हुई। वहीं लुआन-डे प्रोटोरियस और डेवॉल्ड ब्रेविस को टीम में बरकरार रखा गया है।

मारक्रम को जिम्बाब्वे में दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट और टी-20 श्रृंखला से आराम दिया गया था, जबकि बावुमा जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में लगी हैमस्टिंग की चोट के कारण जिम्बाब्वे टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे। दोनों कप्तानों के पास अपेक्षाकृत पूरी क्षमता वाली टीमें उपलब्ध होंगी। दक्षिण अफ्रीका

के नियमित खिलाड़ियों में से, माकर यानसेन और डेविड मिलर ही ऐसे दो खिलाड़ी हैं। जिन्हें टीम में जगह नहीं मिली है। यानसेन अपने बाएँ अंगुठे की सर्जरी से उबर रहे हैं। उन्हें डब्ल्यूटीसी फाइनल में चोट लगी थी, जबकि मिलर द हंड्रेड में खेलेंगे। उनके विपरीत करने की उम्मीद है।

दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्रि कॉनराड ने एक बयान में कहा, 'डुइज़्ड फाइनल के बाद आराम करने के बाद हमारे सीनियर खिलाड़ियों का टीम में वापस आना बहुत अच्छा है। उनका अनुभव और गुणवत्ता टीम के लिए वास्तविक मूल्य जोड़ते हैं क्योंकि हम दोनों प्रारूपों में एक मजबूत टीम तैयार कर रहे हैं।

कारोबार

आइकॉनिक पहचान बना चुकी है हुंडई क्रेटा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। 21 जुलाई 2015 को लॉन्च हुई हुंडई क्रेटा कार आज 10 साल पूरे कर चुकी है और इस एक दशक में 12 लाख से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री के साथ एक आइकॉनिक पहचान बना चुकी है। 2015 में आई पहली जनरेशन ने लॉन्च के साथ ही लोगों का ध्यान खींचा और 2020 में जब दूसरी जनरेशन आई तो इसका बोलंड डिजाइन और एडवांस फीचर्स और भी ज्यादा प्रभावशाली रहे। डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस के बेहतरीन तालमेल ने क्रेटा को देश की सबसे भरोसेमंद एसयूवी बना दिया है। अब 2024 में तीसरी जनरेशन की क्रेटा बाजार में मौजूद है, जो और भी ज्यादा प्रीमियम और टेक्नोलॉजी-फ्रेडली है। क्रेटा की खासियतों की बात करें तो यह कार दमदार लुक्स, शानदार रोड प्रेजेंस और मल्टीपल इंजन ऑप्शंस के लिए जानी जाती है। इसमें पेट्रोल, डीजल और अब इलेक्ट्रिक वर्जन भी मौजूद है, जिससे यह हर तरह के कस्टमर को अपील करती है।

रुपया 17 पैसे की बढ़त के साथ 86.24 डॉलर पर खुला

मुंबई, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रख के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे की बढ़त के साथ 86.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार पर भारी पड़ रही है, जिससे रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रख और विदेशी पूंजी निकासी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया और स्थानीय मुद्रा को तेजी को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.33 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 86.24 तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 86.41 पर बंद हुआ था।

होंडा और निसान मिलकर कर रही नया डिजिटल ब्रेन विकसित

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। होंडा और निसान कंपनियां अब मिलकर एक नया डिजिटल ब्रेन सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म विकसित कर रही हैं। इसका उद्देश्य भविष्य की स्मार्ट कार को ज्यादा इंटेलिजेंट, कनेक्टेड और सॉफ्टवेयर-डिफाइन बनाना है। यह साझेदारी न केवल पारंपरिक इंजन-आधारित प्रतियस्पर्धा से परे जाती है, बल्कि चीन की उभरती कंपनियों जैसे बीवायडी, नीयो और एक्सपेनो को टक्कर देने की रणनीतिक कोशिश भी है। इस प्रोजेक्ट में 10 अरब डॉलर से अधिक का संयुक्त निवेश किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि अब वाहन निर्माण में हाइवेयर नहीं, बल्कि डेटा और डिजिटल टेक्नोलॉजी प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इस गठबंधन की सबसे बड़ी ताकत इसका साझे सॉफ्टवेयर कोर होगा, जो होंडा और निसान की कारों को एक जैसी डिजिटल रीढ़ पर आधारित बनाएगा।

केंद्र सरकार ने पूर्व वित्त सचिव अजय सेठ को आईआरडीएआई प्रमुख नियुक्त किया

नई दिल्ली , 24 जुलाई (वेब वार्ता)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को पूर्व वित्त एवं आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ को भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। अजय सेठ तीन साल तक इस पद पर रहेंगे। देवाशीष पांडा के इस्तीफा देने के बाद मार्च 2025 से यह पद रिक्त है।

सरकार की ओर से जारी एक अधिसूचना के मुताबिक मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने आईआरडीएआई के अध्यक्ष के रूप में अजय सेठ की नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए या जब तक वह 65 साल के नहीं हो



जाते या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, इसकी मंजूरी दे दी है। आईआरडीएआई के नए चेयरमैन की नियुक्ति पद खाली होने के लगभग चार महीने बाद हुई है। इस साल मार्च में सरकार ने तत्कालीन आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) सचिव सेठ को

राजस्व सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा था, जब तुहिन कांत पांडे सेबी के अध्यक्ष बने थे।

कर्नाटक कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अजय सेठ चार साल के कार्यकाल के बाद इस साल जून में आर्थिक मामलों के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। वे 2021 से वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत हैं। सेठ ने आर्थिक विकास, राजकोषीय प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण और डिजिटल भुगतान के लिए नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। वहीं एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

जापान के साथ ट्रेड डील होने के बाद अमेरिका की कुछ अन्य देशों के साथ भी ट्रेड डील फाइनल होने की उम्मीद बनी है। इसकी वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.78 प्रतिशत उछल कर 6,358.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 127.33 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,020.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 98.47 अंक यानी 0.22 प्रतिशत टूट कर 44,911.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,061.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसई इंडेक्स ने 106.02 अंक यानी 1.35 प्रतिशत की उछालों लगा कर 7,850.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत

किया। इसके अलावा डीएएस इंडेक्स 198.92 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,240.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,224.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत लुढ़क कर 1,216.77 के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, स्टेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,259.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हेंग सेंग इंडेक्स 105.81 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,643.88 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। अमेरिका के साथ ट्रेड डील हो जाने की वजह से उत्साहित टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज का निक्केई इंडेक्स आज लगातार दूसरे दिन जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल ये सूचकांक 717.68 अंक यानी 1.74 प्रतिशत उछल कर 41,889 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.17 प्रतिशत की उछालों लगा कर 7,556.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने या कटवाने के लिए अब भी एक माह का समय: चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। चुनाव आयोग ने कहा है कि 1 अगस्त और 1 सितंबर के बीच राजनीतिक दल योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वा भी सकते हैं और अगर किसी का नाम गलती से जुड़ गया है तो उसे हटावा भी सकते हैं। चुनाव आयोग का यह वक्तव्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध के बीच आया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आदेश पृष्ठ 3, पैरा 7(5) के अनुसार, किसी भी मतदाता या मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को 1 अगस्त से 1 सितंबर तक एक महीने का समय मिलेगा ताकि वे किसी भी पात्र मतदाता का नाम शामिल करा सकें, जिन्हें बीएलओ/बीएलए ने छोड़ दिया हो। इसके साथ बीएलओ/बीएलए के गलत तरीके से शामिल किए गए किसी भी मतदाता के नाम को कटवा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष लगातार अपना विरोध दर्ज कर रहा है। विपक्ष का आरोप है कि यह प्रक्रिया अल्पसंख्यक और पिछड़ों को चुनाव प्रक्रिया से बाहर करने का तरीका है। विपक्ष के इसी विरोध के चलते पिछले दो दिन से संसद के दोनों सदनों में कोई कार्य नहीं हो पाया है।

जनहित याचिका की सुविधा का दुरुपयोग किया जा रहा है: न्यायालय

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने फर्जी मतदान पंजीकरण के आरोप से संबंधित एक याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी और कहा कि अदालत के जनहित याचिका क्षेत्राधिकार का दुरुपयोग किया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने जनहित याचिका को 'फर्जी' करार दिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमारे जनहित याचिका क्षेत्राधिकार का दुरुपयोग किया जा रहा है। हम ऐसी फर्जी याचिकाओं पर विचार नहीं करते। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि याचिकाकर्ता एक आरटीआई कार्यकर्ता है और याचिका में फर्जी मतदान पंजीकरण का युद्ध उठाया गया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता किसी सांसद से संपर्क करके जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन की मांग कर सकता है। अदालत ने कहा, ये फर्जी जनहित याचिकाएं हैं। यह जनहित याचिका नहीं है। यह न्यायिक दुस्साहस है।

ऊजवल निकम ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को वरिष्ठ वकील एवं न्यायविद उज्जल निकम ने मनोनीत सदस्य के रूप में शपथ ली। निकम ने मराठी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ लेने के बाद सदस्यों ने मेजें शपथपत्रकार उनका स्वागत किया। निकम एक विख्यात वकील हैं, जिन्होंने सरकारी वकील के रूप में 2008 सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुकदमों को अभियोजन पक्ष की ओर से लड़ा था। उन्होंने 2024 में मुंबई उत्तर मध्य सीट से भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें वह हार गये थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हाल में चार विशिष्ट नागरिकों उजल देवराव निकम, सी. सदानंदन मास्टर, हर्षवर्धन श्रृंगला और डॉ. मीनाक्षी जैन को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया था। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन, 21 जुलाई को सदानंदन, श्रृंगला और डॉ जैन ने उच्च सदन के मनोनीत सदस्यों के रूप में शपथ ली थी।

राज्यसभा के 6 सदस्य सेवानिवृत्त, उज्ज्वल निकम ने राज्यासभा की सदस्यता ग्रहण की

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में वोट लिस्ट्स रिवीजन को लेकर गुरुवार को राज्यसभा में चौथे दिन भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। सेवानिवृत्त होने वाले राज्यसभा के छह सदस्यों को विदाई देने के बाद सदन में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दोपहर 02 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। गुरुवार को कार्यवाही शुरू होते ही उज्जल कल निकम ने राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने मराठी में शपथ ली। उसके बाद आवश्यक रिपोर्ट सदन के पटल पर रखे गये। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन से गुरुवार को सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों को विदाई दी। एम मोहम्मद अब्दुल्ला (डीएमके), एन चंद्रशेखरन (एआईएडीएमके), अंबुमणि रामदास (पीएमके), एम शनमुग (डीएमके), वाइको (एमडीएमके) और पी विल्सन (डीएमके) का कार्यकाल गुरुवार को समाप्त हुआ। पी विल्सन कल दोबारा सदन में दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे। इस दौरान विभिन्न दलों के सांसदों ने देश में लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की।

रेणुकास्वामी हत्याकांड: अभिनेता दर्शन की जमानत के खिलाफ याचिका पर न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत रद्द करने संबंधी कर्नाटक सरकार की याचिका पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। शीर्ष अदालत ने कुछ आरोपियों की ओर से पेश वकीलों से एक सप्ताह के भीतर लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा। पीठ राज्य सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के 13 दिसंबर 2024 के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है। उच्च न्यायालय ने उक्त फैसले में दर्शन और सह-आरोपियों को जमानत दी थी। दर्शन पर अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और कई अन्य लोगों के साथ रेणुकास्वामी (33) नामक एक प्रशंसक का अपहरण करने और उसे प्रताड़ित करने का आरोप है। रेणुकास्वामी ने पवित्रा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजे थे। पुलिस का आरोप है कि रेणुकास्वामी को जून 2024 में तीन दिनों तक बेंगलुरु में एक स्थान पर रखा गया, प्रताड़ित किया गया था। पुलिस के अनुसार, उसका शव एक नाले से बरामद किया गया। शीर्ष अदालत ने 24 जनवरी को राज्य सरकार की याचिका पर अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और अन्य को मामले में नोटिस जारी किये थे।



देश-विदेश

लंदन में प्रवासी भारतीयों के स्वागत से मोदी अभिभूत, स्टार्मर के साथ करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

लंदन/नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो देशों की चार दिन की यात्रा के पहले चरण में बुधवार देर रात ब्रिटेन की राजधानी लंदन पहुंच गये जहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

श्री मोदी गुरुवार को अपने ब्रिटिश समकक्ष कोर स्टार्मर के साथ विभिन्न विषयों पर द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेताओं की मौजूदगी में भारत और ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने की भी पूरी तैयारी है। लंदन में प्रवासी भारतीयों द्वारा स्वागत किये जाने के बाद श्री मोदी ने कहा कि इस आत्मीय स्वागत से वह अभिभूत हैं।



प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "ब्रिटेन में भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी भरे स्वागत से अभिभूत हूँ। भारत की प्रगति के प्रति उनका स्नेह और

जुनून सचमुच उत्साहजनक है। इससे पहले श्री मोदी ने लंदन में हवाई अड्डे पर पहुँचने के बाद कहा, "लंदन पहुँच गया हूँ। यह यात्रा हमारे देशों के बीच आर्थिक



सझेदारी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य हमारे लोगों की समृद्धि, विकास और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देना होगा।



वैश्विक प्रगति के लिए भारत-ब्रिटिश मैत्री एक मजबूत मित्रता आवश्यक है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद श्री मोदी का शाम को ब्रिटेन के राजा

चार्ल्स तृतीय से भी मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद शाम को ही वह अपनी यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में मालदीव के लिए रवाना हो जायेंगे।

‘वया मालेगांव विस्फोट मामले में सरकार अपील करेगी’, असदुद्दीन ओवैसी ने उठाए सवाल



नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। एआईएमआईएम के प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले पर बड़ा बयान दिया है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आतंकवाद का खाल्ता होना चाहिए, लेकिन अगर सरकार आरोपियों के धर्म के आधार पर अपील करेगी तो यह लड़ाई समझौता हो जाएगी। असदुद्दीन ओवैसी गुरुवार को मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में महाराष्ट्र सरकार के रुख पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा, हम भाजपा, केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार से पूछना चाहते हैं कि अगर मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत आरोपियों को बरी कर देती है तो क्या वे इसके खिलाफ अपील करेंगे?

ब्लास्ट में बरी किए गए आरोपियों पर हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई। सरकार ने जल्दबाजी में अपील की, लेकिन मक्का मस्जिद और अजमेर ब्लास्ट में नहीं की। अगर मालेगांव केस में भी आरोपी बरी हो जाएं तो अपील करेगी? यही असली पैमाना है।

असदुद्दीन ओवैसी की यह प्रतिक्रिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आई है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई। महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर फैसला लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की टिप्पणियों पर भी रोक लगाई।

असम ध्वस्तीकरण : न्यायालय अवमानना कार्रवाई की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने असम के गोवालपाड़ा जिले में ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में असम सरकार के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने के संबंध में बृहस्पतिवार को सहमत जताई।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने असम के मुख्य सचिव और अन्य को दो सप्ताह के भीतर जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि जून में बड़े पैमाने पर बेदखली और ध्वस्तीकरण अभियान से 667 से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए। गोवालपाड़ा जिले के आठ निवासियों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई व्यक्तिगत सुनवाई और

अपील या न्यायिक समीक्षा के लिए पर्याप्त समय दिए बिना की गई। वकील अदील अहमद के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, %%संबंधित अधिकारियों ने बेदखली अभियान का भेदभावपूर्ण कार्यान्वयन और संचालन किया। बेदखली और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई मुख्य रूप से अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर की गई, जबकि इसी तरह के मामलों में बहुसंख्यक समुदाय के लोगों को अछूता छोड़ दिया गया।

याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिका सजय हेगड़े ने कहा कि केवल दो दिनों का नोटिस दिया गया और उसके तुरंत बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, %%आप उच्च न्यायालय क्यों नहीं जाते? हेगड़े ने कहा कि कई लोग उच्च न्यायालय गए थे और वहां भी पुनर्वास के बारे में ही

याचिका दायर की गई थी। उन्होंने कहा कि अतिक्रमणकारियों को भी कानूनी प्रक्रिया का इस्तेमाल करने का अधिकार है। हेगड़े ने कहा, ये 667 गरीब परिवार हैं जो 60 से 70 सालों से उस जमीन पर रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र समय-समय पर अपना रास्ता बदलती रहती है और लोगों को ऊँचाई वाले स्थानों पर जाना पड़ता है। पीठ ने चेतावनी देते हुए कहा, %%हम नोटिस जारी करना चाहते हैं, लेकिन अगर सरकार यह कहकर बचाव करती है कि यह सरकारी जमीन है तो हम पहले ही कह चुके हैं कि हमारा आदेश सरकार के स्वामित्व वाली जमीन, सड़कों, सार्वजनिक स्थानों, नदियों और जलाशयों पर किसी भी अतिक्रमण पर लागू नहीं होगा। शीर्ष अदालत द्वारा याचिका पर नोटिस जारी करने की बात कहने के बाद हेगड़े ने यथास्थिति बनाए रखने का अनुरोध किया।

झारखंड के डीजीपी की नियुक्ति के खिलाफ याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई के लिए न्यायालय सहमत

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई करने पर सहमत जताई। याचिका में दावा किया गया है कि नियुक्ति में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद

चंद्रन की पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई अगले हफ्ते 30 और 31 जुलाई को होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने कहा कि झारखंड के मौजूदा डीजीपी नियुक्ति के बावजूद अपने पद पर बने हुए हैं। अंजना प्रकाश एक सामाजिक कार्यकर्ता की ओर से पेश हुई थीं और उन्होंने दलील दी कि तीन न्यायाधीशों की पीठ को अदालत के पिछले निर्देशों के अनुपालन से जुड़े मामले की सुनवाई करनी थी। मुख्य

न्यायाधीश गवई ने कहा कि ऐसी स्थिति में अगले हफ्ते नियमित मामलों की सुनवाई के दौरान मामले की सुनवाई की जाएगी। गुप्ता केंद्र सरकार के नियमों के तहत 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल विस्तार के लिए केंद्र को पत्र लिखा। सूत्रों के अनुसार, केंद्र ने राज्य सरकार के कार्यकाल विस्तार के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

‘चुनाव बहिष्कार’: क्या विपक्ष के बिना भी हो सकते हैं चुनाव? जानिए नियम

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वेब वार्ता)। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनावों के बहिष्कार का संकेत देकर पूरे देश में एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। चुनाव लड़ना या नहीं लड़ना, यह स्वाभाविक रूप से राजनीतिक दलों की अपनी इच्छा पर निर्भर करता है। हालाँकि, बिहार के परिदृश्य में इसके अलग मायने हैं। तेजस्वी यादव बिहार में मुख्य विपक्षी नेता हैं। अन्य विपक्षी दलों की तरफ से भी 'चुनाव बहिष्कार' पर समर्थन मिलता है, तो इससे राज्य में परिस्थितियां बदल सकती हैं और इसका सीधा असर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है। असल में चुनाव में भागीदारी और प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र का आधार है,

लेकिन यहीं से सवाल उठता है कि अगर बिहार में विपक्ष 'बहिष्कार' करता है तो क्या इस स्थिति में चुनाव कराए जा सकते हैं?

किसी एक पद या एक सीट पर कोई प्रतिद्वंद्वी न होने पर उम्मीदवार को निर्विरोध चुन लिया जाता है, लेकिन क्या विपक्ष के 'चुनाव बहिष्कार' करने पर भी इसी तरह का कोई नियम लागू रहता है, उसको समझना जरूरी है।

संविधान का अनुच्छेद 324 कहता है कि निर्वाचन आयोग को निर्वाचक नामावली के रख-रखाव तथा स्व तंत्र एवं निष्पक्ष रूप से निर्वाचनों के संचालन का अधिकार है। अनुच्छेद 324 में यह उपबंध है कि लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के निर्वाचन



व्यस्?क मतधिकार के आधार पर होंगे। अनुच्छेद 324 के अधीन राष्ट्रपति पद का भी चुनाव कराने का अधिकार भारत निर्वाचन आयोग में निहित है। हालाँकि, नियम में कहीं जिक्र नहीं है कि राजनीतिक दलों की ओर से 'बहिष्कार' पर चुनाव प्रक्रिया को रोक दिया जाए। इस संबंध में सबसे ताजा उदाहरण दिल्ली का मेयर चुनाव हो सकता है। अप्रैल 2025 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने मेयर चुनाव का बहिष्कार किया

था। इसके बावजूद चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई और राजा इकबाल सिंह दिल्ली के मेयर चुने गए। कांग्रेस ने मेयर चुनाव में हारिमा लिया था और उसे महज 8 वोट ही मिले। इस चुनाव में बेगमपुर वार्ड से भाजपा पार्षद जय भगवान यादव डिट्टी मेयर चुने गए।

1989 का मिजोरम विधानसभा चुनाव हो, 1999 का जम्मू कश्मीर या 2014 का हरियाणा विधानसभा चुनाव हो, कुछ राजनीतिक पार्टियों के आंशिक 'बहिष्कार' के बाद भी चुनाव कराए गए और परिणाम भी आए।

कानूनी स्तर पर सुप्रीम कोर्ट भी कई उदाहरण दे चुका है, जिनमें राजनीतिक दलों के 'लोकसभा' के बावजूद चुनाव संपन्न हुए। इसमें 1989 का मिजोरम

चुनाव भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी, चुनाव प्रक्रिया वैध होने और संवैधानिक मानकों का पालन करने तक 'बहिष्कार' किसी चुनाव को रद्द करने का आधार नहीं हो सकता है।

हालाँकि, 'चुनाव बहिष्कार' पर राजनीतिक दलों को जनता का समर्थन मिलने पर इलेक्शन को टालना निर्वाचन आयोग के लिए एक मजबूरी बन सकता है। यह भी स्पष्ट है कि लंबे समय तक चुनाव न लड़ने पर राजनीतिक दल की मान्यता भी खतरे में पड़ सकती है, जिसे 1968 के चुनाव चिन्ह आदेश से समझा जा सकता है। इस आदेश के मुताबिक, चुनावों से लगातार दूरी या न्यूनतम वोट प्रतिशत न पाने की स्थिति में राजनीतिक दल की मान्यता रद्द की जा सकती है।



तमिलनाडु के कन्याकुमारी त्रि-समुद्री स्थल पर आदि अमावस्या के अवसर पर लोग अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित होते हैं।

देवगुरु बृहस्पति का भव्य जल बिहार श्रृंगार, दिव्य झांकी के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

उजाला संचार
वाराणसी। श्रावण मास के बृहस्पतिवार को श्री देवगुरु बृहस्पति भगवान का भव्य जल



बिहार श्रृंगार सम्पन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर भगवान की दिव्य झांकी का भक्तों ने दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। देवगुरु बृहस्पति को पंचामृत स्नान कराकर 11 ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण किया गया। इसके उपरांत भगवान को स्वर्ण मुखौटा,

चांदी का छत्र एवं अष्टधातु से बने साज-सज्जा के साथ सपरिवार विराजमान किया गया।

मंदिर प्रांगण को अशोक और कामिनी की पत्तियों, रंग-बिरंगे वस्त्रों, रुई से कैलाश पर्वत का रूप दिया गया।

वहीं विद्युत झालरों से भव्य रूप से सजाया गया। भोर में मंगला आरती अजय गिरी द्वारा संपन्न कर कपाट खोले गए, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन का लाभ मिल सका। इसके बाद संतोष गिरी एवं अभिषेक गिरी द्वारा भोग आरती व रुद्राभिषेक सम्पन्न कराया गया। इस दौरान गिरी परिवार की ओर से भोग-प्रसाद का वितरण किया गया। रात्रि 1 बजे भगवान की शयन आरती उतारी गई।

दशाश्वमेध घाट पर हुई निषाद समाज की विशेष बैठक, अवैध रूप से नौका संचालन का किया विरोध



उजाला संचार
वाराणसी। मां गंगा निषाद राज सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रमोद माझी की अगुवाई में गुरुवार को दशाश्वमेध घाट पर निषाद समाज की विशेष बैठक आयोजित की गई। जिसमें वाराणसी जिले के समस्त निषाद समाज के सदस्य व पदाधिकारी शामिल रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य तेलिया नाला एवं सका घाट क्षेत्र के माझी समुदाय द्वारा नौका संचालन बंद किए जाने के निर्णय को लेकर विचार-विमर्श करना था।

निषाद समाज के अध्यक्ष प्रमोद माझी कहना है कि 30 जून 2025 से क्षेत्र में गैर सामाजिक तत्वों द्वारा अवैध रूप से नौका संचालन किया जा रहा है, जिसका वे पुरजोर विरोध कर रहे

हैं। इसी कारण माझी बंधुओं ने सामूहिक रूप से अपनी नौकाएं बंद कर दी हैं।

संगठन ने प्रशासन पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि गंगा में जलस्तर बढ़ने के कारण एक ओर जहां पारंपरिक माझी समाज की नावों व निजी क्रूज पर रोक लगाई गई है, वहीं दूसरी ओर सरकारी क्रूज को संचालन की छूट दी गई है। निषाद समाज इसे अन्यायपूर्ण व भेदभावपूर्ण मानते हुए विरोध जता रहा है। इस मुद्दे पर निषाद समाज के वरिष्ठ जनों और जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा प्रशासन से जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की जाएगी। साथ ही आगामी रणनीति को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

वाराणसी

किन्नर समाज ने निभाई 11 साल पुरानी परंपरा, किया बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक; देश की खुशहाली की कामना

उजाला संचार
वाराणसी। किन्नर समाज ने गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। 11 वर्षों की परंपरा के अनुसार किन्नर समाज ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करके देश व समाज की खुशहाली की कामना की। किन्नरों ने गुरु स्वरूप महादेव को जल अर्पित करके अपनी परंपरा भी निभाई। यह पहला मौका था जब किन्नरों के साथ

आम श्रद्धालु भी जलाभिषेक यात्रा में शामिल हुए।

गुरुवार को किन्नर समाज की अध्यक्ष सलमा किन्नर के नेतृत्व में किन्नर समुदाय ने जलाभिषेक यात्रा निकाली। ढोल-नगाड़ों की धुन पर थिरकते हुए किन्नर समाज के लोग और आम श्रद्धालु शीतला घाट पहुंचे। मां गंगा को नमन करने के बाद सभी ने गंगाजल कलश में उठाया।



इसके बाद हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए सभी श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। बाबा विश्वनाथ के स्वर्ण शिखर को नमन कर किन्नरों ने गर्भगृह में प्रवेश किया। हालांकि पहले उनको गर्भगृह में प्रवेश से रोका गया लेकिन फिर अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद उनको प्रवेश मिला। बाबा विश्वनाथ को जल अर्पित करने के बाद सभी ने हर-हर महादेव का जयघोष

किया। सलमा किन्नर ने बताया कि वह 2014 से बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करती आ रही हैं। वह हमारे गुरु हैं और आज हम लोगों ने अपने गुरु का अभिषेक किया। हम लोगों ने बाबा से देश और समाज की खुशहाली की कामना की। इस दौरान संजू, रागिनी, माही, विशाखा, मोनिका, विक्की और इमरान खान उपस्थित रहे।

मदनपुरा में सात महीने बाद खुला सिद्धेश्वर-महादेव मंदिर का ताला

विश्व हिन्दू परिषद ने सावन में श्रृंगार के लिए शुरु की सफाई, आज से शुरु होगा पूजा-पाठ

वाराणसी। वाराणसी के मदनपुरा इलाके में मुस्लिम इलाके में विराजमान सिद्धेश्वर महादेव मंदिर का ताला विश्व हिंदू परिषद ने सावन में खोलकर सफाई शुरू की है। आज से इसमें बाबा का पूजा-पाठ और श्रृंगार होगा। विश्व हिंदू परिषद के काशी प्रांत महानगर अध्यक्ष राजेश मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को ताला खोलकर गर्भगृह की सफाई की है।

बता दें कि इस मंदिर का ताला

साल 2009 के बाद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में 8 जनवरी 2025 को खोला गया था। तब से इसकी चाबी विश्व हिन्दू परिषद के पास थी।

विश्व हिंदू परिषद के काशी प्रांत महानगर अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा - बाबा भोलेनाथ का अतिप्रिय माह सावन चल रहा है। ऐसे में हम लोगों ने सिद्धेश्वर महादेव मंदिर का ताला खोला है और अब इसमें नियमित पूजा पाठ



और श्रृंगार होगा। 7 महीने बाद इसकी फिर से साफ-सफाई की

गई है। अब यहां शुरुवार से पूजा-पाठ शुरू होगा।

8 जनवरी 2025 को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी के साथ ही साथ मुस्लिम परिवार की सहमति के बाद सिद्धेश्वर महादेव मंदिर को साल 2009 के बाद खोला गया था। उस समय इसमें दो खंडित शिवलिंग मिला था और मूल शिवलिंग गायब था। उस दिन जलाभिषेक और पूजा अर्चना के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए

गए थे।

जिला प्रशासन ने मंदिर की चाबी विश्व हिंदू परिषद को सौंपी थी। ऐसे में गुरुवार को दोपहर मौके पर विश्व हिंदू परिषद के काशी प्रनत के महानगर अध्यक्ष राजेश मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ता सिद्धेश्वर महादेव के मंदिर पहुंचे। यहां ताला खोलकर मंदिर गर्भगृह की सफाई की और हर हर महादेव का जयघोष किया। आज से यहां पूजा शुरू होगी।

बीएचयू सामाजिक विज्ञान संकाय में चारों गेट बंद कर छात्रों ने दिया धरना, जमकर की नारेबाजी, सौंपा पत्रक

उजाला संचार
वाराणसी। बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय में बीए द्वितीय वर्ष छात्रों ने धरना दिया। इस दौरान छात्रों ने संकाय के चारों गेट बंद कर दिए। वहीं जमकर नारेबाजी की। छात्र ऑनर्स विषय में बदलाव और इसका आंकड़ा मांग रहे हैं। डीन के पीए और छात्र सलाहकार के समझाने के बाद मानें और धरना समाप्त किया। चेताया कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे।



छात्रों का कहना रहा कि उन्हें राजनीति विज्ञान आनर्स विषय से

संबंधित आंकड़ा चाहिए। संकाय की ओर से इसकी जानकारी दी

जाए कि कुल कितने छात्रों को राजनीति विज्ञान आनर्स में प्रवेश दिया गया है। कितने छात्रों ने इसके लिए आवेदन किया था। वहीं 6 छात्र अपना ऑनर्स विषय भी बदलवाना चाहते हैं।

छात्रों का आरोप लगाया कि डीन की ओर से उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ रहा है।

चेताया कि यदि हमारी मांगों पर गंभीरता के साथ विचार नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

सीएचसी पर किया गया निजी अंग में कार्समेटिक सर्जरी

अविवाहित महिला को अवसाद में जाने से बचाया सर्जरी से खिल उठा चेहरा

उजाला संचार
वाराणसी। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारनाथ में डॉ किरन जयसवाल के द्वारा एक अविवाहित महिला के निजी अंग में कॉस्मेटिक सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि ओपीडी में एक महिला चिंताग्रस्त अवस्था में आई जिन्होंने अपनी समस्या बताई तथा अपने भावी जीवन को लेकर अपनी चिंताओं से अवगत कराया। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी से चर्चा के उपरांत कॉस्मेटिक सर्जरी का निर्णय लिया गया। इस ऑपरेशन के लिए महिला के पारिवारिक सदस्यों एवं उनके द्वारा तैयार होने पर ऑपरेशन किया गया।

हाई घंटे चले इस सफल ऑपरेशन में निश्चेतक डॉ भारत भूषण शुक्ला एवं अन्य नर्सिंग स्टाफ के द्वारा सहयोग किया गया। सफल ऑपरेशन से महिला को



अवसाद में जाने से बचाया जा सका इससे पुरा परिवार खुशी से झूम उठा। उन्होंने ने बताया कि जननांग कॉस्मेटिक सर्जरी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जननांगों के आकार, रूप या कार्य को बदलने के लिए सर्जरी की जाती है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास

अधिकारी के प्रयासों से चिकित्सकीय उपकरणों सहित अन्य सामग्री प्राप्त हुए हैं जिसके कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी कॉस्मेटिक सर्जरी हिप रिप्लेसमेंट जैसे ऑपरेशन किये जा रहे हैं। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौकाघाट एवं दुगाकुंड में डायलिसिस का भी कार्य किया जा रहा है।

कमरे में चारपायी पर सोई वृद्धा को सांप ने डंसा, मौत

उजाला संचार

वाराणसी। चिरईगांव क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमौली (भगुआ) निवासी हीरामनी देवी (75 वर्ष) को सांप ने डंस लिया। परिजन आननफानन में उन्हें अस्पताल ले गए। हालांकि चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। हीरामनी देवी रोज की तरह रात को कमरे में चारपाई पर सो रही थीं। रात्रि लगभग दो बजे अचानक उन्हें बेचैनी और घबराहट महसूस हुई, जिसके बाद परिजन तुरंत उनके पास पहुंचे। पास जाकर देखने पर उनके माथे पर दो जगह सर्पदंश जैसे निशान दिखाई दिए। परिजनों ने बिना समय गंवाए उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। लेकिन वहां पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने जांच के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। हीरामनी देवी की मृत्यु से परिजनों को सदमा लगा है।

100 वर्ग मीटर तक के आवासीय निर्माण को 1 रुपये के टोकन पर पंजीकरण, वीडोए कार्यशाला में उपविधि-2025 पर चर्चा

उजाला संचार
वाराणसी। विकास प्राधिकरण की ओर से गुरुवार को उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 और आदर्श जोनिंग रेगुलेशन-2025 के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता VDA के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व विधायक (वाराणसी उत्तरी) रविन्द्र जायसवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व MLC दयाशंकर मिश्रा दयालु, महापौर (नगर निगम) अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूतम मौर्य, विधायक (कैट) सौरभ श्रीवास्तव, विधायक (अजगरा) त्रिभुवन राम, विधायक (सेवापुरी) नील रतन नीलू, विधान परिषद सदस्य व जिला अध्यक्ष (भाजपा) हंसराज विश्वकर्मा, विधायक (मुगलसराय) रमेश जायसवाल, VDA सदस्य अम्बरीश सिंह

भोला, प्रदीप अग्रहरी और साधना वेदांती उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के

1 रुपये की टोकन राशि पर पंजीकरण, संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण-पत्र के लिए समय-सीमा निर्धारण, ग्राउंड

रेगुलेशन को सरल बनाने पर जोर। नगर नियोजक प्रभात कुमार ने उपविधि-2025 और जोनिंग रेगुलेशन की बारीकियों पर विस्तृत



साथ हुआ। सभी अतिथियों का तिलक और पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया गया। उपाध्यक्ष ने उपविधि-2025 और आदर्श जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय निर्माण और 30 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक निर्माण के लिए मात्र

कवरेज प्रतिबंधों की समाप्ति और फ्लोर एरिया रेशियो में वृद्धि, होटल, चिकित्सा सुविधा, और पेइंग गेस्ट/होम स्टे के लिए ठंडु की आवश्यकता समाप्त करने की उपविधि के बाबत जानकारी दी। इसके अलावा उपविधि औद्योगिक इकाइयों के लिए मानकों में छूट और जोनिंग

चर्चा की। अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए अपने विचार साझा किए। राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने सुझाव दिया कि इन उपविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं की सहभागिता के

साथ जागरूकता अभियान और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, ताकि इन नियमों को और प्रभावी बनाया जा सके। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष द्वारा अतिथियों को पारंपरिक शाल और पौधे भेंट किए गए। VDA सचिव ने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।



उजाला संचार यूट्यूब चैनल

रास्टाफ्राइव करें, लाइक करें, कमेंट करें और ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि सब हर दिल तक पहुंचे

youtube.com/@ujalasanchar

रास्टाफ्राइव करें – ताकि कोई नज़ि रखर न छूटे!

लाइक करें – आपकी पसंद हमें और बेहतर बनाती है!

कमेंट करें – आपनी राय हमारे साथ शेयर करें!

शेयर करें – सब की खबर को और आगे पहुंचाएं!

SUBSCRIBE



AND ENABLE NOTIFICATIONS